विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मप्र और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com

शहडोल, रविवार, 30 मार्च 2025

वर्ष- 08 | अंक- 94 | पेज- 08 | मूल्य- ₹ 5.00/-

हिन्दू नववर्ष, गुड़ी पड़वा एवं चैत्र नवरात्र की

हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीयों ने खूब लिया कर्ज: 11 माह में 15 लाख करोड़ रुपये का लोन लेकर तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

बैंकों ने इस साल खूब लोन बांटे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बैंकों ने वित्तीय वर्ष के पहले 11 महीनों में 15.3 लाख करोड़ रुपये का नया लोन दिया है। इससे उनका कुल लोन 175.56 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह पिछले साल से 9.3प्रतिशत ज्यादा है। यानी इस बार लोन देने के मामले में पिछले साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। लोगों ने सबसे ज्यादा पर्सनल लोन लिए हैं। कुल नए लोन में से पर्सनल लोन का हिस्सा सबसे बड़ा है। लेकिन इंडस्ट्री को दिए जाने वाले लोन में कमी आई है। यह अब केवल 14.5प्रतिशत ही रह गया है। होम लोन की बात करें तो यह करीब 17प्रतिशत है। होम लोन का आंकड़ा इंडस्ट्री को दिए जाने वाले लोन से भी ज्यादा है।

पर्सनल लोन का हिस्सा कुल लोन का 35.71प्रतिशत रहा, गोल्ड लोन में 5.78प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

कहां दिया कितना लोन?

- 15.33 लाख करोड़ रुपये के नॉन फूड लोन में से पर्सनल लोन सबसे बड़ा हिस्सा है। यह 5.47 लाख करोड़ रुपये है जो कुल लोन का 35.71प्रतिशत है।
- इसके बाद सर्विस सेक्टर का नंबर आता है। सर्विस सेक्टर को 4.64 लाख करोड़ रुपये का लोन दिया गया है, जो कुल लोन का 30.3प्रतिशत है।
- पर्सनल लोन में होम लोन की मांग सबसे ज्यादा रही। होम लोन में 2.6 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। यह कुल लोन का 16.95प्रतिशत है।
- इंडस्ट्री को सिर्फ 2.22 लाख करोड़ रुपये का लोन मिला है। यह कुल लोन का 4.51 प्रतिशत है।

कृषि लोन में भी आई तेजी

किसानों को दिए जाने वाले लोन में भी तेजी आई है। कृषि लोन में 1.93 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है, जो कुल लोन का 12.59प्रतिशत है। बड़े उद्योगों को लोन देने में बैंक थोड़े सुस्त रहे। उन्हें सिर्फ 1.15 लाख करोड़ रुपये का लोन मिला। सर्विस सेक्टर में व्यापार और रियल एस्टेट में सबसे ज्यादा लोन लिए गए।

इनका लोन हुआ कम

कुछ सेक्टर ऐसे भी हैं जिनमें लोन कम हुआ है। हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को 1051 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पब्लिक फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस को 9369 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

गोल्ड लोन में आया उछाल

गोल्ड लोन में भी उछाल आया है। इस तरह के लोन में 88,636 करोड़ रुपये (5.78प्रतिशत) की वृद्धि हुई है। इसका मतलब है कि लोग सोना गिरवी रखकर ज्यादा लोन ले रहे हैं। गाड़ियों के लिए लोन में 46,384 करोड़ रुपये (3.02प्रतिशत) की वृद्धि हुई है। क्रेडिट कार्ड से खर्च करने वालों की संख्या भी बढ़ी है। क्रेडिट कार्ड के बकाया बिलों में 30,031 करोड़ रुपये (1.95प्रतिशत) की वृद्धि हुई है।

तेजी का कारण: पर्सनल लोन लेना आसान हुआ

दरअसल, इस समय पर्सनल लोन लेना काफी आसान हो गया है। बहुत सारी एनबीएफसी कंपनियां बहुत कम कागजी प्रक्रिया के चुटकियों में लोन दे रही हैं। इसके लोन के लिए अब बैंक में भी जाने की जरूरत नहीं पड़ती। सारी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाती है। सैलरीड क्लास को लोन काफी तेजी से मिल जाता है। यही कारण है कि पर्सनल लोन में सबसे ज्यादा लिया गया है।

दो दिवसीय 'आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' बूट कैंप का शुभारंभ

लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनसेवक बनकर कार्य करें युवा उद्यमी व प्रोफेशनल्स : मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में ''आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स'' के दो दिवसीय बूट कैंप का शुभारंभ कर संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एक हजार साल की गुलामी के बाद वर्ष 1947 में देश आजाद हुआ और देश की जनता के पैसे से सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया, लेकिन एक समुदाय विशेष के वोट के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मंदिर का उद्घाटन करने से इंकार कर दिया। नेहरू ने वोट के लिए देश के नैतिक मूल्यों व सनातन संस्कृति को किनारे किया था। आप सभी उद्यमी लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनसेवक बनकर कार्य करें। जिलों के विकास को और अच्छे तरीके से सुनिश्चित करने के लिए जिलों में गठित विकास समितियों में उद्यमियों व प्रोफेशनल्स को भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सत्ता की ताकत सुनीतियों के बल पर होती है, मध्यप्रदेश में 2003 से पहले कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन प्रदेश के विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया गया। 2003 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, तब प्रदेश की औद्योगिक विकास दर 0.02 प्रतिशत के करीब थी। भारतीय जनता पार्टी ने सुशासन और कल्याणकारी नीतियों के कारण मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में लाकर खड़ा कर दिया है।

हम बस एक राष्ट्र धर्म जानते हैं: हितानंद जी

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कैंप को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा संगठन है, जो हमारा परिचय भारत से कराना चाहता है, क्योंकि भाजपा का मानना है कि हमें भारत को ही जानना है, भारत को ही पहचाना है और भारत की ही मानना है। 'राष्ट्र को ही देव मानकर चले हैं, हम बस एक राष्ट्र धर्म जानते हैं।' उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की शुरुआत जनसंघ के रूप में हुई। देश जब आजाद होकर एक गणतंत्र बना, तो उसके संविधान में यह लिखा था कि देश के अविभाज्य अंग जम्मू-कश्मीर का संविधान अलग होगा, ध्वज अलग होगा और वहां का प्रधान भी अलग होगा। तत्कालीन नेहरू सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने इसका विरोध किया और जनसंघ की स्थापना की। डॉ. मुखर्जी ने इसके विरोध में संघर्ष किया और इसी दौरान 23 जून, 1953 को अपना बलिदान भी दे दिया। 5 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कश्मीर से धारा 370 को हटाकर दो विधान, दो निशान और दो प्रधान की व्यवस्था को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा में दूसरा तत्व सनातन है। हमारा मानना है कि इस देश के मूल में अगर कोई है, तो वो हिंदू है और उसी के नाम पर देश का नाम हिंदुस्तान पड़ा है। गांधी का सपना ग्रामोदय और पं. दीनदयाल उपाध्याय का सपना अंत्योदय हमारे लक्ष्यों में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बदली भारत के बारे में दुनिया की सोच: वीडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी ने देश की राजनीति का परिदृश्य बदल दिया। उन्होंने भारत के बारे में दुनिया की सोच बदल दी। भारत को लोग एक गंदगी वाले देश के रूप में जानते थे। लेकिन प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान शुरू किया। लोगों ने इसका उपहास किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस अभियान के साथ जिस तरह देश के जन-जन को जोड़ा, उससे आज ये पूरे देश का अभियान बन चुका है और अब लोग कहीं भी गंदगी करने से पहले सोचते हैं। पहले की सरकारें गरीबी हटाओ के नारे लगाती थीं, लेकिन इसके लिए करती कुछ नहीं थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए, जिनकी बदौलत आज देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। नरेन्द्र मोदी जातिवाद और परिवारवाद को देश की राजनीति में सबसे बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। उनका कहना है कि 2047 में विकसित भारत तभी बन सकता है, जब राजनीति से ये दोनों चीजें समाप्त हो जाएंगी। प्रतिभाएं कहीं भी हों, प्रधानमंत्री उन्हें खोज निकालते हैं। इसकी झलक उनके 'मन की बात' कार्यक्रम में भी दिखाई देती है।

विक्रम सम्वत: प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास का उत्सव

आज से विक्रम सम्वत् 2082 आरंभ हुआ है। यह प्रदेशवासियों के लिये गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् के उज्जयिनी से शुरू हुआ। यह सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि है। सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन किया था। न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य को समूचे विश्व में स्मरण किया जाता है। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को 'सिंहासन बत्तीसी' कहा जाता है। भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का समय है। इसे कहीं गुड़ी पड़वा तो कहीं चैती चांद, कहीं युगादि तो कहीं उगादि और कहीं नवरोज अगदु के रूप में मनाया जाता है। विविध स्वरूपों में मनाया जाने वाला नववर्ष का यह पर्व 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को स्थापित करता है। इसके साथ नवरात्र का आरंभ होता है। यह नौ दिन आरोग्य, साधना और कायाकल्प के लिए होते हैं। नवसम्वत्सर की तिथि सृष्टि निर्माण की तिथि है। इसका निर्धारण संपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ हुआ है। इसे मनाने की परंपरा व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों के स्वस्थ जीवन और समृद्धि को ध्यान में रखकर शुरू की गई। यह हमारे पूर्वजों के शोध की विशेषता है कि हजारों वर्ष पहले पूर्वजों को ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का पूर्ण ज्ञान था और इस गणना को ही वैदिक घड़ी कहा गया है।

बाबा महाकाल की नगरी विश्व में कालगणना का केंद्र रही है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जैन की वेधशाला में स्थित विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की पुनर्स्थापना की है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हम विक्रमोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। विक्रमोत्सव हमारी गौरवशाली विरासत और वर्तमान के विकास का उत्सव है। यह उत्सव 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। इस 125 दिन तक चलने वाले उत्सव में विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साथ सम्राट विक्रमादित्य के समूचे व्यक्तित्व, कृतित्व और विशेषताओं को परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। श्रीकृष्ण की दीक्षा नगरी उज्जयिनी का संबंध भारत की हर विशेषता से है। उज्जैन धरती के केन्द्र में स्थित है। यहां भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी।

मध्यप्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि सांदीपनि आश्रम से श्रीकृष्ण पाथेय के निर्माण का आरंभ होगा। मध्यप्रदेश का 2025-26 का बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को केन्द्र में रखकर प्रस्तुत किया गया है। इसमें विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की अवधारणा अनुसार बजट को बहुआयामी स्वरूप दिया गया है। इस बजट में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का भी प्रावधान है। वर्ष भर के संकल्पों की पूर्ति के लिए हमने बजट में 15 प्रतिशत की वृद्धि की है। हमारा यह बजट मध्यप्रदेश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए बनाये रोडमैप के संकल्प की पूर्ति के लिए है। इसमें आर्थिक सुधार, सामाजिक न्याय, सतत् विकास के साथ प्रधानमंत्री जी का मंत्र, ज्ञान, (GYAN) पर ध्यान शामिल है। ज्ञान के चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान हैं। इसमें गरीब कल्याण (G) में अंत्योदय की अवधारणा को साकार किया जायेगा। युवा शक्ति (Y) में कौशल विकास, प्रशिक्षण तथा रोज़गार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। अन्नदाता (A) में किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। नारी शक्ति (N) में महिलाओं को समग्र रूप से सशक्त बनाने के लिए आयोजना बनाई गई है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विरासत से विकास का सूत्र दिया है। उनके नेतृत्व में समाज, प्रदेश और देश को सशक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अपनी तरह से कार्य कर रही है। मुझे बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के 'विरासत के साथ विकास' मंत्र को प्रदेश में धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और पुरातात्विक स्थलों के विकास के लिए बजट में अलग से प्रावधान किया है। ऐतिहासिक विरासत को सहेजने के इस अभियान में ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर आदि धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ पर्व के आयोजन की भव्यता और दिव्यता के लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय के लिए अलग से बजट है। हम इन स्थानों पर अधोसंरचना विकास के साथ पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कार्य करेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा और मध्यप्रदेश की विरासत संसार के सामने आएगी। प्रधानमंत्री जी के लोकल फॉर वोकल के संकल्प को आकार देने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इंडस्ट्री समिट में प्राप्त प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जायेगा। इससे मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की विशेषता, क्षमता और दक्षता विश्व स्तर तक पहुंचेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने के लिए हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। गुड़ी पड़वा के अवसर पर हमारी परंपरा में सूर्योदय के पहले बहते हुए स्वच्छ जल में स्नान करने का विधान है। ऊषाकाल में सूर्य को प्रणाम किया जाता है। यह जलस्रोत के प्रवाह स्थल को सुरक्षित रखने का संकल्प है। प्रकृति के इस संदेश को स्वरूप प्रदान करते हुए हम प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के लिए आज से जल गंगा अभियान शुरू कर रहे हैं। इसकी शुरुआत उज्जैन के क्षिप्रा तट से होने जा रही है। इसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अंतर्गत 1 लाख जलदूत तैयार किये जायेंगे। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे। प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जलस्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। यह अभियान आज से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। मुझे विश्वास है कि यह अभियान प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। भारतीय नववर्ष प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और निर्माण की प्रेरणा देता है। इसमें सृष्टि, संस्कृति और समाज का संगम है। ऋतुकाल संधि के इन दिनों में नवचेतना, नवजागृति का संदेश है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रकृति के नवसृजन और विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लेता हूं। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष आरंभ होने वाले विशेष प्रयास आप सभी के जीवन में समृद्धि, खुशहाली और आनंद लेकर आएंगे।

यह वर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो, शुभ हो। एक बार पुनः भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं।

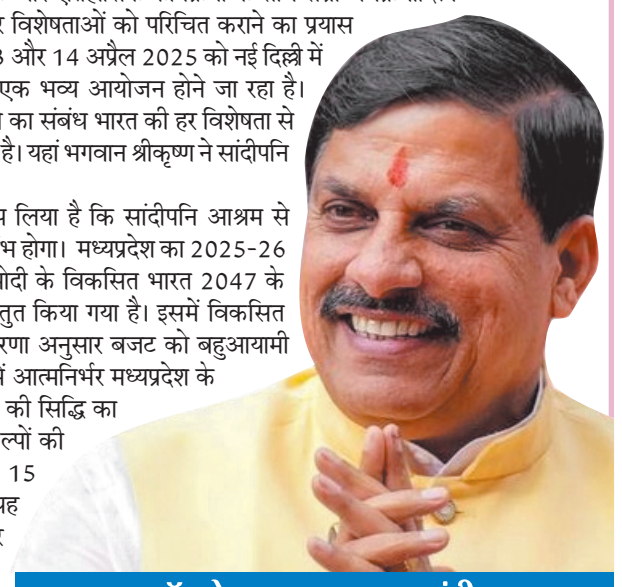

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

इसरो की एक और उपलब्धि

भविष्य की सैटेलाइट्स के लिए प्लाज्मा थ्रस्टर का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल इसरो ने स्टेशनली प्लाज्मा थ्रस्टर का सफल परीक्षण किया है। 300 मिली न्यूटन के प्लाज्मा थ्रस्टर ने एक हजार घंटे का परीक्षण पूरा कर लिया है। ये प्लाज्मा थ्रस्टर सैटेलाइट्स के इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन में इस्तेमाल करने के लिए विकसित किए गए हैं। इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम अभी मौजूदा केमिकल प्रोपल्शन सिस्टम की जगह लेंगे और भविष्य की सैटेलाइट्स में इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम का ही इस्तेमाल होगा। प्लाज्मा थ्रस्टर के इस्तेमाल से संचार उपग्रहों की ट्रांसपोंडर क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी और इससे मिशन में लगने वाली लागत भी कम होगी। ये थ्रस्टर प्रोपेलेंट के तौर पर शेनन का इस्तेमाल करेंगे।

प्रियंका का आरोप- विपक्ष की आवाज दबाई जा रही, अहम मुद्दों पर चर्चा को रोक रही सरकार

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र संसद में चर्चा को रोक रहा है। विपक्ष की आवाज दबाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने वायनाड में संवाददाताओं से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का दृष्टिकोण किसी भी तरह से चर्चा को टालना है, इसके लिए विभिन्न हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। विपक्ष की आवाज को कथित रूप से दबाने के सवालों का जवाब देते हुए सांसद ने कहा कि सरकार ने संसद में चर्चा को रोका है। सांसद ने कहा, मैंने संसद के पिछले कुछ सत्रों में देखा है कि उनकी (केंद्र सरकार) की नीति किसी भी तरह से चर्चा को टालने की है।

राष्ट्रपति की अपील

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाएं लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोगों से अपील की है कि वे पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील जीवनशैली को अपनाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा, बल्कि इससे पर्यावरण ज्यादा जीवंत बनाया जा सकता है। शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पर्यावरण 2025 राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये बातें कही। राष्ट्रपति ने कहा कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारा नैतिक कर्तव्य है। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विकास की भारतीय विरासत का आधार पोषण है, शोषण नहीं; संरक्षण है।, उन्मूलन नहीं। इस विरासत को ध्यान में रखते हुए हम एक विकसित भारत की ओर आगे बढ़ना चाहते हैं।

प्रदूषण पर चिंता

बच्चों को बाहर खेलने के लिए मास्क पहनना पड़े, ये अस्वीकार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के जज विक्रम नाथ ने प्रदूषण को चिंता जाहिर करते हुए कहा कि, जहां बच्चों को बाहर खेलने के लिए मास्क पहनना पड़े, ऐसा माहौल अस्वीकार्य है। विज्ञान भवन में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन- 2025 के उद्घाटन सत्र के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने यह भी कहा कि ऐसे समाधान तलाशने की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय भलाई के बीच संतुलन बनाए रखें और सरकार की नीतियों को हरित प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस मौके पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा, भारत की राजधानी में नियमित रूप से उच्च स्तर का प्रदूषण होता है। मेरा मानना है कि हम सभी इस बात से सहमत हो सकते हैं कि हमारे बच्चों का ऐसे वातावरण में बड़ा होना स्वीकार्य नहीं है, जहां उन्हें बाहर खेलने के लिए मास्क की आवश्यकता हो या कम उम्र में श्वसन संबंधी बीमारियों की चिंता हो। उन्होंने कहा, यह कार्रवाई के लिए एक तत्काल आह्वान है, एक संकेत है कि हमें उत्सर्जन को विनियमित करने, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में निवेश करने और टिकाऊ परिवहन विकल्पों के बारे में सोचने के लिए एक साथ आना चाहिए।

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक मोड़ पर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री साय

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में शनिवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता प्राप्त होने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री साय ने इस साहसिक कार्रवाई को सुरक्षाबलों की बहादुरी, रणनीति और संकल्पशक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में हमारे सुरक्षाबल नक्सलियों की मांद में घुसकर उन्हें जड़ से खत्म करने का कार्य कर रहे हैं। यह सफलता हमारे वीर जवानों के अद्वितीय साहस और समर्पण का परिणाम है। मैं उनकी वीरता को नमन करता हूं। उल्लेखनीय है कि मुठभेड़ में 16 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है, जबकि जिला रिजर्व गार्ड के 2 जवान घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घायल जवानों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से प्रार्थना की है।

न्यूज इन शॉर्ट

असहाय महिलाओं को पानी की टंकी भेंट की गई

धनपुरी - श्रद्धा महिला मंडल के तत्वाधान में किए जा रहे सामाजिक कल्याण कार्य से प्रेरित होकर समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाते हुए हमारी सोहागपुर शाखा की सुरभि महिला समिति के द्वारा दिनांक 26/03/2025 को ग्राम हरदी बाज़ार टोला में 25 अतिगरीब एवं असहाय महिलाओं को 25 नग पानी की टंकी एवं 25 नग डंकी के साथ खाने के डिब्बे व फल वितरित किए। साथ ही वहाँ उपस्थित सभी बच्चों को फल, टॉफ़ी और चिप्स बाटे गये। सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती अपर्णा श्रीकृष्णा जी ने अपने उद्बोधन में सभी को गर्मी के मौसम में स्वच्छ पानी को संग्रहीत करने हेतु पानी की टंकी एवं डंकी के उपयोग के बारे में बताया तथा पानी को ढक कर रखने की सलाह दी ताकि मक्खरो द्वारा फैलने वाली बीमारियों से पुरे परिवार का बचाव हो सके।
इस समाज कल्याणकारी कार्यक्रम के अवसर पर श्रीमती अपर्णा श्रीकृष्णा (अध्यक्षा सुरभि महिला समिति , सोहागपुर क्षेत्र) के साथ श्रीमती संगीता सिन्हा, संजू सिंह, पुष्पा बिनयाला, गीता यादव एवं मनीषा गुप्ता की सहभागिता रही।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

शहडोल -कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी की अनुशंसा पर सत्यम पटेल पिता राजाराम पटेल ग्राम कंचनपुर, सोहागपुर जिला शहडोल एवं सतानंद शर्मा पिता बाला प्रसाद शर्मा निवासी खैरहा जिला शहडोल को बीमारी उपचार हेतु 65-65 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है
कलेक्टरने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से विधायक ब्यौहारी शरद कोल की अनुशंसा पर राम प्रकाश यादव पिता बद्री प्रसाद यादव निवासी ग्राम जोरा जिला शहडोल को बीमारी उपचार हेतु 35 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।
कलेक्टर ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह की अनुशंसा पर आदिति मिश्रा पिता अशोक कुमार मिश्रा निवासी वार्ड नंबर 28 पुरानी बस्ती शहडोल को बीमारी उपचार हेतु 50 हजार रुपए, श्रीमती उमा तिवारी पति श्री अशोक तिवारी वार्ड नंबर 2 हनुमान मंदिर के पास सोहागपुर जिला शहडोल को उपचार हेतु 1 लाख रुपए, श्रीमती द्रौपती सिंह पति श्री राजेश सिंह पचगांव जिला शहडोल को उपचार हेतु 75 हजार रुपए एवं रियांशी राय पिता रवि राय निवासी नरसरहा डिपो के पास सोहागपुर शहडोल को उपचार हेतु 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

हरीश दुहन ने संभाला एसईसीएल सीएमडी का पदभार

धनपुरी। हरीश दुहन ने एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। एसईसीएल मुख्यालय आगमन पर निदेशक मण्डल, सीवीओ, विभागाध्यक्षों अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर एसईसीएल की सुरक्षा टुकड़ी द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सम्मानित किया गया। इससे पहले दुहन सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में निदेशक तकनीकी (संचालन) के पद पर कार्यरत थे।
हरीश दुहन कोयला खनन क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव रखते हैं। उन्होंने अपनी स्नातक उपाधि नागपुर विश्वविद्यालय से माइनिंग इंजीनियरिंग में प्राप्त की। श्री दुहन ने वर्ष 1989 में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड से कोल इंडिया लिमिटेड में अपनी सेवाओं की शुरुआत की। उनके पास फर्स्ट क्लास माइन मैनेजर सर्टिफिकेट तथा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की उपाधि भी है।
एसईसीएल का सीएमडी बनने से पहले, दुहन सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में निदेशक तकनीकी (संचालन) के रूप में कार्यरत थे। इसके अलावा, उन्होंने नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की निगाही परियोजना में एरिया जनरल मैनेजर तथा कॉर्पोरेट प्रोजेक्ट प्लानिंग विभाग के महाप्रबंधक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

हाइवे में आई दरारों के बीच जोखिम भरा सफर

कभी भी हो सकता है कोई बड़ा हादसा, शहडोल-बुढ़ार के बीच जगह-जगह फटी सड़क, हादसों की आशंका

विजय मत, शहडोल।

शहडोल जिले से गुजरने वाली नेशनल हाइवे क्रमांक-43 में सड़क पर आई दरारों के बीच लोगों को जोखिम भरा सफर तय करना पड़ रहा है। हाइवे में शहडोल-बुढ़ार के बीच ही करीब आधा दर्जन जगहों पर सड़कें बीच में फट चुकी हैं। इन दरारों के ऊपर से जब वाहनों के पहिए गुजरते हैं तो अनबैलेंस हो जाते हैं। खासकर दोपहिया वाहनों के छोटे पहिए इनमें फंसकर कई बार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। सड़क में बड़ी दरार आरटीओ आफिस और कन्या शिक्षा परिसर कंचनपुर के बीच ढाबा के सामने बना हुआ है। इसके आगे सरफा पुल के आगे, फिर लालपुर गांव की सीमा पर सड़क कटी हुई है। जमुआ के पास कार शो रूप के पहले भी यही हाल है। इसके अलावा धुरबार स्कूल के आसपास भी सड़क जगह-जगह से कटी हुई है। आरटीओ आफिस के सामने पुलिया के ऊपर तो आए दिन कटाव हो जाता है।

वसूली पूरी, मरम्मत अधूरी

लोगों का कहना है कि जब टोल टैक्स के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए की वसूली की जा रही है तो सड़क की मरम्मत क्यों नहीं कराई जा रही है। हाईवे में बुढार से

शहडोल के बीच कई जगह छोटे-छोटे गड्ढे एवं सड़क पर दरारें बन गये हैं। एमपी आरडीसी विभाग के द्वारा इन गड्ढों को भरने के लिए सीमेंट से पैच वर्क कराया गया था लेकिन हर बार सीमेंट भरने के बाद कुछ ही दिन में उखड़ जाते हैं। कई जगह सड़कों पर दरारें दिखनी शुरू हो गई हैं। संबंधित एजेंसी के ठेकेदार द्वारा इस गड्ढे को भरने के लिए एवं दरार भरने के लिए पैच वर्क नहीं कराया गया जिसके कारण सड़क उखड़ चुके हैं।

गड्ढे बन रहे दुर्घटना का कारण

बुढार से शहडोल मार्ग में सड़कों पर दरारें होने के कारण दो पहिया वाहन चालकों को दुर्घटना का अंदेशा होने के साथ ही वाहनों के पहिए अनबैलेंस होने लगते हैं जिसके कारण कोई बड़ी दुर्घटना कभी भी घटित होने का अंदेशा बना हुआ है। पहले भी इन गड्ढों के कारण कई घटनाएं घटित हो चुके हैं जिस पर भी किसी भी प्रकार कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

यात्री प्रतीक्षालय के साथ पानी की व्यवस्था नहीं

शहडोल से बुढार एनएच 43 मार्ग में पहले जो सड़क के किनारे यात्री प्रतीक्षालय बनाए गए थे वह पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे आवागमन करने वाले यात्रियों को सड़क के किनारे धूप में बैठना पड़ता है, वहीं लोगों को पहले हैंड पंप के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाता था लेकिन सड़क बनने के बाद हैंड पंप को उखाड़ दिया गया है जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है और लगातार यात्री परेशान होते जा रहे हैं।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र ने सरफा डैम के पास सीएसआर मद से कराया कार्य

विजय मत, धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र द्वारा मुख्यालय की स्वीकृति उपरान्त सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक के निर्देशन में एवं नगर पालिका परिषद् शहडोल, जिला प्रशासन के सहयोग से ग्राम नवलपुर स्थित सरफा डैम के समीप लगभग दस हैक्टेयर भूमि पर चैनलिंक जाली पौधों के संरक्षण के लिए लगायी गयी है। साथ ही पौधों को प्रयाप्त जल मिले इसके लिए सरफा डैम से जलापूर्ति की भी व्यवस्था की गयी है। उक्त कार्य को सीएसआर मद से वित्तीय वर्ष 2024-25 में किया गया है। जिसमे एसईसीएल द्वारा रूपये 20.21 लाख की राशि का भुगतान जिला प्रशासन को किया गया है। कार्य का क्रियान्वयन नगर पालिका परिषद् शहडोल द्वारा किया गया है। इस क्षेत्र में विगत माह जुलाई-अगस्त में हजारों की संख्या में पौधारोपण किया गया था। इस कार्य से सभी पौधों को संरक्षण मिल रहा है एवं आसपास की जलवायु, पानी एवं मिट्टी पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। डैम के आसपास की लगभग दस हजार की आबादी को इस कार्य के फलस्वरूप एक बढ़िया वातावरण में जीवन यापन मिल रहा है।

कोल डस्ट ओवरलोडिंग की समस्याओं को लेकर आंदोलन प्रबंधन से चर्चा के बाद हुआ स्थगित

धनपुरी। कोयलांचल क्षेत्र में पिछले कुछ समय से कोल डस्ट को लेकर जिस तरह से लोगों में आक्रोश बढ़ रहा था उसी को लेकर 29 मार्च से अनिश्चितकाल हड़ताल को लेकर कोयलांचल के नागरिकों और व्यापारियों ने आह्वान किया था और ज्ञापन भी प्रबंधन को दिया था इस आंदोलन को लेकर लगातार तैयारी की जा रही थी लेकिन आज सोहागपुर सभागार में इसी समस्या को लेकर एक बैठक बुलाई गई जिसमें महाप्रबंधक के प्रतिनिधि मंडल से उपक्षेत्रीय प्रबंधक अमरीश पांडे स्टाफ ऑफिसर सिविल आरके जैन कार्मिक प्रबंधक बलराम हेब्रम सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह मनीष तिवारी कार्मिक प्रबंधक आरके चतुर्वेदी इंजीनियर अजय द्विवेदी एवं अक्षय निगम मौजूद थे।
कोयलांचल के व्यापारियों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याओं को रखते हुए जो ज्ञापन दिया था उसमें इस बात को कहा गया था कि जो साइडिंग मौजूद है यहां पर पानी का छिड़काव ना होने से पूरे दिन रात डस्ट उड़ती रहती है जिस कारण से यहां के व्यापारियों और नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

पेयजल समस्या की बाट जोह रहा अनूपपुर जिले का प्रथम ग्राम बकही

बरगवां। जिले के अंतिम छोर और अनूपपुर जिले का सर्वप्रथम ग्राम पंचायत बकही जहां पर जल संकट ग्रामीणों के लिए परेशानी का सब बना है। ज्ञात हो की ग्राम पंचायत में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सोहागपुर क्षेत्र के द्वारा जनहित के लिए सामुदायिक विकास योजना अंतर्गत ओवरहेड टैंक के माध्यम से नल जल योजना अंतर्गत स्टैंड पोस्ट एवं घर-घर नल कनेक्शन की व्यवस्था दिए जल सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया था किंतु काफी समय से बने हुए ओवर है टैंक में ना तो पानी है और ना घरों के कनेक्शन से लोगों को पीने के लिए पानी मिल पा रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण पानी की सुविधा से वंचित ग्रामीण जनों ने बताया कि पेयजल जो स्टैंड पोस्ट एवं हैंड पंप के माध्यम से पीने की पानी की व्यवस्था हो जाती थी वह ठप्प पड़ा है। इस भीषण समस्या को लेकर ग्रामीणों के द्वारा जिला पंचायत जनपद पंचायत एवं सीसीएल प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट करने का भर्षक प्रयास किया गया किंतु शासन प्रशासन के द्वारा ग्रामीणों के लिए पेयजल की भीषण समस्या का निदान होते नहीं दिख रहा है और लोगों को पीने के पानी के लिए कई किलोमीटर दूर तक सोन नदी में बह रही ओरिएंट पेपर मिल के द्वारा दूषित जल को पीने के लिए विवश है। जल्द से जल्द अगर पेयजल समस्या का निदान नहीं किया गया तो ग्राम पंचायत बांका ही के ग्रामीण जनों के द्वारा जन आंदोलन की तैयारी की जाएगी या फिर समस्या का निदान न होने पर पलायन करने की फिराक में है की कारण यह है कि गांव के चारों ओर शारदा ओपन कास्ट के द्वारा कोयला निकासी का कार्य निरंतर जारी है। किंतु एसईसीएल प्रबंधन अपने कोयला उत्पादन को महत्व देता हुआ सिर्फ और सिर्फ अपनी कमाई करने में लगा है उसे जनहित के मुद्दों और ग्रामीणों की समस्याओं से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं है।

मिनी भारत है हमारा जमुना भालूमाडा- राम अवध सिंह

ईद, नवरात्र, रामनवमी सहित अन्य त्योहारों को लेकर आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

विजय मत, भालूमाड़ा।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आगामी त्योहार 30 मार्च को चेट्री चंड्र उत्सव एवं गुड़ी पड़वा (चैत्र नवरात्र प्रारंभ), 31 मार्च को ईद उल फितर, 6 अप्रैल को श्रीराम नवमी एवं 12 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव पर्व शांतिपूर्वक मनाएं जाने के लिए थाना भालूमाड़ा में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पसान नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने बताया कि हमारा जमुना कोतमा क्षेत्र मिनी भारत है। यहां विभिन्न प्रदेशों के लोग निवास कर रहे हैं और वर्षों से यहां पर सभी धर्म संप्रदाय के लोग अपना-अपना त्योहार शांति सद्भाव के साथ मनाते हुए आपसी भाईचारे को कायम रखें हैं। क्षेत्र में कोई भी किसी भी धर्म का त्योहार हो हर कोई एक दूसरे का सहयोग करते हुए अपनी सहभागिता निभाते हैं। यह अलग बात है कि हर जगह कुछ ना कुछ ऐसे आसामाजिक तत्व भी होते हैं जो माहौल को खराब करने का प्रयास करते हैं। जिसके लिए समाज के वरिष्ठ जिम्मेदार लोगों के द्वारा समझाइए देकर इन सब चीजों को रोकने में सफल हुए हैं। और आगे भी हम सब लोग अपने क्षेत्र में शांति आपसी भाईचारा कायम रखने में सफल होंगे। भालूमाडा क्षेत्र में तीन स्थानों पर 31 मार्च को नमाज अदा की जाएगी, ईदगाह में छोटी मस्जिद में और लाइन दफाई में। वही जमुना ईदगाह में नमाज अदा होगी। जहां पर साफ सफाई पानी टेंट बैठक व्यवस्था नगर पालिका के द्वारा कराई गई है। और यदि किसी प्रकार की कोई समस्या या कोई जरूरत होती है उसके लिए नगर पालिका प्रशासन तैयार है। चैत्र रामनवमी में मुख्य बाजार व सड़क के किनारे खुलेआम अंडा, मटन मुर्गा मछली की विक्रय पर रोक है। जिसका सभी दुकानदार पालन करें। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा आगामी चैत्र नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए ईद उल फितर की भी मुबारकबाद देते हुए सभी को शुभकामनाएं दिए।

बैठक में थाना प्रभारी द्वारा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए शासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों की जानकारी देते हुए लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से अपना अपना त्योहार मनाने की अपील की गई। इस दौरान

उपस्थित अन्य लोगों ने भी अपनी अपनी बात रखी वही सभी ने इस बात को स्वीकार किया की क्षेत्र में हमेशा से आपसी भाईचारा शांति का माहौल रहा है। और इस बार भी हम सब मिलजुल कर अपने क्षेत्र की शांति व्यवस्था आपसी भाईचारे को बरकरार रखते हुए अपना-अपना पर्व अपना-अपना त्योहार मनाएंगे।

नागाचारी को सीसीएल में डायरेक्टर टेक्निकल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया

धनपुरी- सीएमपीडीआई के डायरेक्टर टेक्निकल शंकर नागाचारी को सीसीएल में डायरेक्टर टेक्निकल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है इसके पहले वह वीसीएल में भी डायरेक्टर टेक्निकल का अतिरिक्त प्रभार में रहकर अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं उन्हें सीसीएल का डायरेक्टर टेक्निकल का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने पर उनके शुभचिंतकों के द्वारा उन्हें बधाई दी है।

शंकर नागचारी जो की एक मिलनसार और कुशल अधिकारी के रूप में अपनी पहचान रखते हैं कई वर्षों तक वह एसईसीएल सोहागपुर एरिया में भी पदस्थ रह चुके हैं यहां पर महाप्रबंधक के पद पर भी उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है और जिस तरह से इस एरिया को नई ऊंचाई पर ले जाने का काम उनके कार्यकाल में हुआ उसकी आज भी सर्वत्र सराहना की जाती है निश्चित है कि सीसीएल के डायरेक्टर टेक्निकल के अतिरिक्त प्रभार पर रहकर वह इस कंपनी को बेहतर बनाने में अपना और योगदान देंगे।

व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वीटीसी), सोहागपुर क्षेत्र के द्वारा विशेष विशेष प्रशिक्षण

धनपुरी। महा प्रबंधक, सोहागपुर क्षेत्र, पी श्रीकृष्णा सर के निर्देशानुसार, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वीटीसी) सोहागपुर क्षेत्र ने खैरहा तथा बंगवार के जेएमएस वर्कर्स के लिए दो दिवसीय स्पेशल ट्रेनिंग कैंप का आयोजन 27.03.25 को जेएमएस कैंपस खैरहा, राजेंद्रा में, एटीओ प्रकाश पाटले जी एवं गोविंद सिंघल जी, असिस्टेंट मैनेजर के कुशल नेतृत्व में किया । यह कैंप जेएमएस वर्कर्स को नए सीएम मशीन के लिए तैयार करने एवं उनको सुरक्षा संबंधित जानकारी देने के लिए आयोजित किया गया। स्पेशल ट्रेनिंग कैंप का प्रारंभ मुख्य अतिथि के रूप में रीजनल ऑफिसर, पर्यावरण, शहडोल विभाग, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुकेश श्रीवास्तव जी, उप क्षेत्रीय प्रबंधक, राजेन्द्र उप क्षेत्र, वी के सिन्हा जी एवं मुख्य प्रबंधक, राजेंद्रा खदान, बालाकृष्णन बोनेला जी ने दीप प्रज्वलन कर किया। आशीर्वाद वचन स्वरूप, मुख्य अतिथि, मुकेश श्रीवास्तव जी ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी तथा उप क्षेत्रीय प्रबंधक, वी के सिन्हा जी ने स्पेशल ट्रेनिंग कैंप के महत्व के बारे में बताया। कैंप में फैकल्टी के रूप में, खान सुरक्षा अधिकारी, खैरहा खदान, ए के बिंयाला जी एवं गोविंद सिंघल, अस्सिटेंट मैनेजर, ने कुल 45 कामगारों को सीएम खदान में काम करने के सुरक्षित तरीके, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी), सेफ्टी मैनेजमेंट प्लान (एसएमपी) एवं खदान से संबंधित अन्य सुरक्षा पद्धति के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में जे एम एस के अधिकारी, कामेश्वर जी, रमाकांत जी, प्रतीक जी, पंकज गौतम जी, नोडल अधिकारी, पर्यावरण, सोहागपुर क्षेत्र एवं खैरहा खदान की महिला अधिकारी सुश्री मुस्कान त्रिपाठी जी मौजूद रहे तथा कार्यक्रम के पश्चात जेएमएस के अधिकारियों ने कार्यक्रम की प्रसंशा की।

बैठक

जन प्रतिनिधि जल गंगा संवर्धन अभियान में निभाए महती भूमिका– उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल

आमजनों को ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या न हो: उप मुख्यमंत्री

विजय मत, शहडोल।

उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल की उपस्थित में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदेश में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में जन प्रतिनिधि श्रमदान कर महती भूमिका निभाए। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान होने वाले कार्यों की भी जानकारी ली जिस पर बताया गया कि शहडोल जिले में 67 नालों की सफाई,172 सामुदायिक तालाबों का जीर्णोद्धार, 3746 नवीन खेत तालाब, 32 अन्य जल स्रोतों व चेक डैम सहित अन्य कार्य किए जायेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने पी.एच.ई. एवं जल निगम विभाग के कार्यों की समीक्षा की । अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु में नागरिको को पेयजल की किसी भी स्थिति में समस्या न हो इसके लिए

पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों को गंभीरता से करें तथा नल जल योजना के तहत घर-घर पानी पहुंचे इसके लिए कलेक्टर मॉनिटरिंग करें।
उप मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली की आपूर्ति निरंतर बनी रहे यह सुनिश्चित करे तथा बोल्टेज की समस्या न हो इसका भी विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जिले में अवस्थित तारों को सुदृढ़ करने हेतु ग्रामों को चिन्हित करें। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने जयसिंहनगर झींकबिजुरी में स्थापित होने वाले सब स्टेशन सहित अन्य कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जिला योजना समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों ने सीवर लाइन के कार्यों को ठीक करने, विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने, जिला अस्पताल शहडोल में कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा का अनावरण करने, अटल पार्क बनाने जैसे अन्य विषयों पर उप मुख्यमंत्री के समक्ष चर्चा की। जिस पर उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने जिला अस्पताल शहडोल में कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा का अनावरण करने व अन्य विषयों पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने जिला योजना समिति की बैठक में कृषि विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों, स्वामित्व योजना के कार्य, सहित अन्य विभाग के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, जयसिंह मरावी, शरद कोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रीराम जी श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज इन शॉर्ट

भीषण आग से किसान का घर जलकर हुआ खाक,लाखों की संपत्ति का हुआ नुकसान

उमरिया । ग्राम मजमानी कला में भीषण आग की चपेट में आने से किसान का घर जलकर खाक हो गया। बताया जाता है कि लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। घटना गत दिवस की बताई जा रही है। घटना के बाद फायर बिग्रेड की मदद से आग पर काबू पाया जा सका है। आग किन कारणों से लगी, इसका कारण अज्ञात है। बताया जाता है कि अज्ञात कारणों से शनिवार की दोपहर घर के खपरैल हिस्से में आग लग गई,देखते देखते आग ने भयावह रूप ले लिया और पूरा घर आग की चपेट में आ गया। इस दौरान किसान रामस्वरूप झरिया के घर में रखा समान,सैकड़ों क्विंटल धान एवं अन्य अनाज जलकर नष्ट हो गया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दी जिसके बाद तत्काल फायर ब्रिगेड घटनास्थल के लिए रवाना किया गया और घंटों मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। घटना ग्राम मजमानी कला के किसान रामस्वरूप के घर की है । घटना की जानकारी के बाद बांधवगढ़ एसडीएम कमलेश राम नीरज और हल्के के पटवारी भी मौके पर पहुंचे है।

एक्सीडेंट करने पर मामला दर्ज

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत काली मंदिर यातायात थाना के पास आटो चालक व्दारा वाहन को तेजगति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार आहत संदीप कुमार पाल पिता राम स्वरूप पाल उम्र 34 साल निवासी ग्राम कंचनपुर थाना सोहागपुर जिला शहडोल की शिकायत पर आटो क्रमांक एमपी 54 जेडबी 2312 के चालक पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

हिस्सा मांगने की बात को लेकर हुई गाली गालौज

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत ग्राम बरही छोट में आरोपियों व्दारा हिस्सा मांगने की बात को लेकर गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार अशोक यादव पिता दददी यादव उम्र 33 साल की शिकायत पर आरोपी कमलेश यादव, संतोश यादव दोनो निवासी बरही छोट थाना चंदिया पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही हैं।

जहरीला कीड़ा काटने पर वृध्द की मौत

उमरिया। इंदवार थाना अंतर्गत ग्राम कुशमहा में जहरीले कीडा के काटने पर वृध्द की मौत हो गई। जानकारी अनुसार वृध्द का नाम जीवनलाल बैगा उम्र 50 साल ग्राम कुशमहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को सौंपे गये कार्य

उमरिया । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक संचालित किया जाएगा । अभियान के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व्दारा नवीन खेत तालाबों का निर्माण , अमृत सरोवर 2.0 अंतर्गत नवीन अमृत सरोवर निर्माण, भू जल संवर्धन हेतु कुआ रिचार्ज, मनरेगा तथा प्रधानमंत्री .षि सिंचाई योजना, वाटरशेड विकास के अंतर्गत प्रचलित और नव स्वी.त नवीन सतही जल संग्रहण और भू जल संवर्धन के कार्य क्रियान्वित कर पूर्ण करना, ऐतिहासिक , सांस्.तिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबो, जल स्त्रोतो तथा देवालयो की सफाई और जीर्णोध्दार, इन कार्यो के पूर्ण होने पर जन समुदाय की उपस्थिति मे वरूण पूजन और पवित्र नदियो के पानी से जल अभिषेक कर रख रखाव तथा संधारण के लिए दायित्व समुदाय को सौपना , पुराने ऐसे तालाबो, चौकडेमो तथा स्टाप डेम की मरम्मत और जीर्णोध्दार जो उपयोग में आते थे, ऐसे गेट विहीन स्टाप डेम के गेट भी लगाना, प्रमुख नदियो के उद्गम क्षेत्र में वाटरशेड विकास कार्य, भूजल पुनर्भरण के लिए निष्क्रीय हैंडपंप, नलकूपो की पहचान कर वर्षा जल व्दारा भूजल पुनरू भूजल पुनरू भरण हेतु रिचार्ज पिट संरचना का निर्माण, ग्रामीण क्षेत्रो के प्रमुख स्थलों पर गर्मियो मे पेयजल सुविधा हेतु सार्वजनिक प्याउ की व्यवस्था करना, ग्रे वाटर निस्तारण और प्रबंधन, नालियो के अंतिम छोर पर ग्रे वाटर प्रबंधन की संरचनाओं का निर्माण, घरो और सार्वजनिक स्थानो पर उपयोग किए जा रहे पानी के अपव्यय को रोकने के लिए आवश्यक उपाय जैसे नलो के लीकेज को सुधारना, टूटे हुए नलों को बदलना, पाइप लाइनो के लीकेज को सुधारना, मानसून के दौरान किए जाने वाले वृक्षारोपण की तैयारी तथा अभियान की प्रगति जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर अद्यतन करने का कार्य सौंपा गया है।

संस्थागत व्यवस्था और सहभागी हेतु मानपुर जनपद स्तरीय समिति गठित

उमरिया । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के समुचित क्रियान्वयन संस्थागत व्यवस्था और सहभागी हेतु जनपद स्तरीय समिति गठित की गई है जिसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नोडल अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर समन्वयक, अनुविभागीय अधिकारी वन, सीएमओ मानपुर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी मानपुर, वरिष्ठ उद्यान अधिकारी मानपुर, वरिष्ठ किसान कल्याण तथा .षि विकास विभाग मानपुर , सावित्री सरपंच मझखेता, सौखी लाल यादव यरपंच पटेहरा, अजय सिंह सरपंच पटेहरा, गेंदा बाई सरपंच डोडका, राम पाल सिंह सरपंच पतौर, कल्याण यादव उत्सव ग्रामीण विकास सेवा संस्थान रवशा तथा देव प्रकाश गौतम जया सेवा समिति पडवार सदस्य शामिल है ।

मां विरासिनी मंदिर तथा ज्वालाधाम मंदिर में उमडेगी भीड़

चैत्रनवरात्रि आज से, श्रध्दालुओ की उमड़ेगी भीड़

विजय मत, उमरिया।

चैत्रनवरात्रि का आगाज आज 30 मार्च से हो रहा है। चैत्र नवरात्रि पर्व को लेकर जिला मुख्यालय स्थित मंदिरो में सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला स्थित ज्वालामुखी देवी मंदिर, शारदा देवी मंदिर, अन्नपूर्णा देवी मंदिर, वैष्णोदेवी मंदिर सहित अन्य मंदिरो में सुबह से भक्तों का तांता माता को जल ढारने के लिए उमडेगा । चैत्र नवरात्र को देखते हुए मंदिर प्रबंधन व्दारा भी भक्तों के लिए अलग अलग लाइनों की व्यवस्था की गई है, ताकि दर्शन करते समय भक्तों को किसी भी प्रकार का सामना नही करना पडे। इसके साथ ही भक्तों व्दारा नौ दिनों तक माता की आराधना की जाएगी तथा उपवास रखकर परिवार के सुख समृध्दि की कामना की जाएगी।

जनपद मुख्यालय पाली स्थित मां विरासिनी देवी का मंदिर वर्श भर श्रद्धालुओ के श्रद्धा का केंद्र रहता है लेकिन नवरात्रि के दौरान बिरसिंहपुर पाली स्थित मंदिर में महिसासुर मर्दिनी रूप में विराजी मां विरासिनी मंदिर में श्रद्धालुओ का सैलाब उमड़ता है। आज नवरात्रि के प्रथम दिन मंदिर प्रबंधन के अध्यक्ष व्दारा माता जी की विधि विधान से पूजा अर्चना की जाएगी तथा कलश प्रज्जलित किया जाएगा। शाम की आरती में हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ शामिल होती है। इसी तरह उमरिया जिले के नरौजाबाद रेलवे स्टेशन से 4 किलोमीटर उत्तर में स्थित माँ ज्वाला उचेहराधाम शक्ति पीठ विराजमान है जो ना केवल मध्यप्रदेश बल्कि पुरे भारत वर्ष में अपनी विशेषताओं और देवीय शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान आदिकाल से घोड़क्षत्र नदी के तट पर घनघोर और विकराल जंगल के बीच विलुप्त अवस्था में मौजूद था। इसी स्थान पर अब से दशक पूर्व माँ ज्वाला धाम मंदिर का पुनर्निर्माण उचेहरा के निवासियों द्वारा किया गया। चैत्र नवरात्रि से लेकर पूरे नौ दिनों तक उमरिया जिला सहित अन्य जिलो से भी माता के दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमडेगी । इसके साथ ही चंदिया में चंडिका माता मंदिर, मानपुर स्थित मां ज्वालामुखी मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरो में आज से पूरे नौ दिनों तक देवी की अराधना की जाएगी । इसके साथ ही विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

बांधवगढ़ में गाइड और ड्राइवरों का गोरखधंधा, दलालगढ़ में बदला पर्यटन स्थल

विजय मत, उमरिया।

बांधवगढ़ के टिकट काउंटर पर हर दिन दलालों का जमावड़ा बना रहता है। गाइड और वाहन चालक पर्यटकों को ठगी का शिकार बना रहे हैं । टिकट काउंटर खुलने से बंद होने तक ये दलाल पूरी सेटिंग करते हैं । टिकट से लेकर गाड़ी और गाइड तक सबकुछ तय होता है, लेकिन दोगुनी कीमत पर। कोर जोन (मगधी और खितौली) में बाघ न होने का झूठा दावा कर, ताला जोन के महंगे टिकट बेचने की साजिश होती है। बाघ देखना है तो ताला जोन जाओ इस बहाने से महंगे गाइड और गाड़ियों को जबरन थोपने का खेल खेला जाता है। पर्यटकों से मोटी रकम वसूलने के लिए दलालों व्दारा मनमानी की जाती है।

पर्यटकों का कहना है कि आखिर हर दिन टिकट काउंटर पर कुछ गाइड और ड्राइवर घंटों क्यों रहते हैं? क्या प्रशासन की मिलीभगत से चल रहा है यह खेल? टिकटों की कालाबाजारी और दलालों का नेटवर्क किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है, यह समझ से परे है।

बांधवगढ़ की साख पर दाग

इस धांधली से पर्यटकों को परेशानी हो रही है और बांधवगढ़ की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। प्रशासन अगर जल्द एक्शन नहीं लेता, तो यह पर्यटन स्थल दलालगढ़ बनकर रह जाएगा। बांधवगढ़ प्रशासन इस पर कब कार्यवाही करेगा या फिर पर्यटकों की लूट जारी रहेगी। इस पूरे मामले मे पर्यटन प्रभारी कुछ बोलने से इंकार कर रहे ह।

अवैध मदिरा जप्त

उमरिया। पाली थाना अंतर्गत ग्राम दैगवां में आरोपिया पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए उसके पास से अवैध मदिरा जप्त की है। जानकारी अनुसार पार्वती बैगा पति शिवचरण बैगा उम्र 37 साल निवासी दैगवां के पास से 6 लीटर महुआ शराब जप्त की है जिसकी कीमत 600 रूपये है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

नदी के पानी मे डूबने से युवक की मौत

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत सोनदी काडाघाट ग्राम बल्हौड में नदी के पानी मे डूबने से युवक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार मृतक का नाम आकाश उर्फ भोलेकोल उम्र 32 साल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना 7 दिवसीय विशेष शिविर संपन्न

विजय मत, उमरिया।

सात दिवसीय विशेष शिविर 2025 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय आर0 व्ही0 पी0 एस0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय उमरिया (प्रकोष्ठ) रासेयो सेवा योजना व्दा0रा विशेष शिविर के सातवें एवं अंतिम दिवस की सुबह अधिनायक शिवा सिंह सिंगर के द्वारा विसल बजाकर प्रारंभ हुई शिवरा के अंतिम दिवस में सभी शिव आरती उत्साह और संवेदना के मिश्रित अनुभव को अपने हृदय में संभाल कर सभी ग्राम वासियों के बीच प्रभात फेरी के लिए माध्यमिक विद्यालय से निकले और सारे गांव का चक्कर लगाकर भजन कीर्तन कर माध्यमिक विद्यालय परिसर में वापस लौटे और रोल कॉल पर उत.ष्ट अनुशासन का परिचय देते हुए एकत्र हुए।

विशेष शिविर के अंतिम दिवस पर योग अधिकारी जितेन्द्र कुमार के द्वारा सूर्य नमस्कार, कुंभक, वज्रासन, प्रारंभिक धनुरासन, शवाशन और व्यायाम का अभ्यास और विश्लेषण अपने निर्देशन में सभी शिवरार्थियों के साथ सूर्य को नमन करते हुए योग और व्यायाम सम्पन्न किया।

सभी शिविरार्थी स्वयंसेवकों के साथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ अरविन्द साह बरकड़े, सह कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार और कोर टीम के सभी शिविरार्थी स्वयंसेवकों ने स्वल्पाहार बनाया और सामूहिक स्वल्पाहार किया।परियोजना कार्य के दौरान ग्राम पंचायत उजान का सर्वेक्षण समूह क्रमांक 1 और 2 के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया तत्पश्चात माध्यमिक विद्यालय उजान में श्रम दान किया गया और परियोजना कार्य को सम्पन्न किया गया।

युवा टीम ने सगरा तालाब के घाट में चलाया स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण का दिया संदेश

विजय मत, उमरिया।

जल संरक्षण के तहत जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा उमरिया कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन पर पाली नगर की ऐतिहासिक सगरा तालाब के हरिहर घाट में स्वच्छता अभियान आयोजित कर तालाब के जल से प्लास्टिक बोतल, पॉलिथीन, कचरा व आदि वास्तु निकालकर तालाब के पानी को स्वच्छ व सुंदर बनाने का प्रयास किया गया।कलेक्टर ने पुनित कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए युवा टीम की सराहना की एवं आमजनों से सगरा तालाब एवं आस-पास के क्षेत्र को साफरखने तथा गंदगी न करने की अपील की गई।

हिमांशु तिवारी ने कहा कि ऐसे अभियानों के माध्यम से हम जल संरचनाओं को स्वच्छ कर परिवर्तन संरक्षण में अहम भागीदारी दे सकते हैं। यदि आज हम सब मिलकर पर्यावरण को बचाने की कोशिश नहीं करेंगें तो, भविष्य में हमारे लिए बहुत मुश्किलें आयेंगी।पृथ्वी एक ही है और हम सब की है, इसीलिए इसके संरक्षण का दायित्व हम सब का है। जिसमें जल संरक्षण के साथ-साथ तालाब और उद्यान के आस पास के क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने का कार्य किया गया। इस दौरान पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी, पर्यावरण मित्र खुशी सेन,महक सोनी,खुशबू बर्मन, मुस्कान महोबिया, सौरभ पाण्डेय एवं सभी उपस्थित रहे।

जिले में 1004 किसानों ने कराया पंजीयन

उमरिया । जिला आपूर्ति अधिकारी बी एस परिहार ने बताया कि जिले में गेहूं विक्रय के लिए अब तक 10054 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है । जिले में गेहूं खरीदी केन्द्रों की संख्या 35 है । गेहू विक्रय के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है । उन्होने जिले के किसानों से अपील की है कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन योजना का अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने हेतु शासन व्दारा नियत तिथि तक समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए अपना पंजीयन नजदीकी पंजीयन केन्द्र कियोस्क सेंटर में करावे ।

संतों का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी आदत:दिलीप

विजय मत, उमरिया।

भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने मध्य प्रदेश कांग्रेस विधायक राजेन्द्र कुमार सिंह द्वारा साधु-संतों पर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता फिर उजागर हुई है, जिससे करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से सनातन धर्म और संस्कृति से परहेज करती आई है। जब जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है, तब उनके नेता संतों पर अनर्गल बयानबाजी कर अपनी हताशा जाहिर कर रहे हैं। कांग्रेस की हिंदू विरोधी मानसिकता किसी से छिपी नहीं है। संतों पर की गई अमर्यादित टिप्पणी पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी शर्मनाक है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस पार्टी सार्वजनिक रूप से संत समाज और हिंदू समाज से माफी मांगे तथा अपने विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

दिलीप पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस की नीति हमेशा से हिंदू समाज का अपमान करने की रही है। कभी सनातन धर्म की तुलना मलेरिया-डेंगू से की जाती है, कभी भगवा को आतंकवाद से जोड़ा जाता है और अब संतों को अपमानित किया जा रहा है। नेहरू से लेकर सोनिया-राहुल तक कांग्रेस का यही रवैया रहा है। कांग्रेस हिंदुओं को सिर्फ वोटबैंक की तरह इस्तेमाल करती है, चुनाव के समय मंदिरों में जाकर दिखावा करती है और फिर संतों का अपमान करती है।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए देश का विभाजन किया, आपातकाल लगाया और हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया। हाल ही में कर्नाटक के बजट में हिंदू आरक्षण पर चोट की गई, जबकि बाबा साहब अंबेडकर ने आरक्षण की व्यवस्था हिंदुओं के कमजोर वर्ग के लिए की थी, न कि मुसलमानों के लिए।

महाकुंभ 2025 में 70 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इस पर भी आपत्तिजनक बयान दिए। उन्होंने पूछा कि जब इफ्तार से गरीबी दूर हो सकती है तो महाकुंभ से क्यों नहीं? कांग्रेस हमेशा हिंदू त्योहारों का विरोध करती है, लेकिन अन्य धर्मों के पर्वों पर चुप रहती है।

कोरोना काल में जब कुछ लोग प्रशासन पर बोझ बन रहे थे, तब हिंदू संतों ने मठ-मंदिरों को अस्थायी अस्पताल बनाकर मानवता की सेवा की। संत त्याग, तपस्या और सेवा के प्रतीक हैं। संतों का अपमान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। संतों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

हमला

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र ताला अंतर्गत आमानाला हाथी कैंप में एक दर्दनाक घटना

पालतू हाथी ने सुरक्षा श्रमिक को उतारा मौत के घाट

विजय मत, उमरिया।

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र ताला अंतर्गत आमानाला हाथी कैंप में एक दर्दनाक घटना हुई, जहाँ पालतू हाथी अष्टम ने सुरक्षा श्रमिक नागेंद्र सिंह पर हमला कर उसकी जान ले ली। घटना उस समय हुई जब नागेंद्र सिंह हाथी को चारा देने गया था। अचानक हाथी आक्रामक हो गया और उसने अपनी सूंड से उठाकर श्रमिक को पटक दिया और कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

नवीन तैनाती के बाद हुआ हादसा

बताया जाता है कि मृतक नागेंद्र सिंह को हाल ही में आमानाला हाथी कैंप में तैनात किया गया था। वह अपने कर्तव्यों का पालन कर रहा था जब यह हादसा हुआ। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रशासन को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्टाष्ट) मानपुर भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक नागेंद्र सिंह उमरिया जिले के ग्राम देवरी मझखेता का निवासी था।

कर्मचारी संघ ने उठाए सवाल

इस घटना के बाद स्थाई कर्मी कल्याण संघ के प्रदेश सचिव विनोद भट्ट ने बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पार्क प्रशासन अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है, जिससे ऐसी घटनाएँ हो रही हैं।

संघ ने माँग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जाँच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए ताकि उनके जीवनयापन में कठिनाई न हो।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएँ

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों द्वारा हमले की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार हाथियों के आक्रामक व्यवहार की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हाथियों के व्यवहार की गहन निगरानी और वैज्ञानिक तरीकों से प्रबंधन आवश्यक है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएँ रोकी जा सकें।

प्रशासन पर उठे सवाल

इस घटना के बाद बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कर्मचारी संघ ने पार्क प्रशासन से यह स्पष्ट करने की माँग की है कि सुरक्षा श्रमिकों के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए थे।

वन विभाग ने इस मामले की जाँच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि हाथी अष्टम के अचानक आक्रामक होने के पीछे क्या कारण था।

अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस घटना से क्या सबक लेता है और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

विश्वास की कमी से बढ़ते हैं तलाक के मामले

आजकल कुछ लेख पढ़ा जो बढ़ते तलाक के मामले पर था अपनी विशाल संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों और समृद्धि की ऊंचाइयों के लिए मशहूर भारतीय समाज में तला के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या में 50 से 60त्न की बढ़ोतरी हुई है। ऐसा नहीं है कि ये सभी मामले सिर्फ बड़े शहरों से हैं। मथुरा, हापुड़ और झज्जर जैसे छोटे शहर भी इन आंकड़ों में बराबर का योगदान दे रहे हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि 50 से 60त्न की पर्याप्त वृद्धि के बाद भी भारत में तलाक की दर केवल 11त्न है और यह प्रतिशत अभी भी अन्य देशों की तुलना में कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित और प्रगतिशील देशों में तला की दर 55त्न, स्वीडन में 55त्न, रूस, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड में 43त्न और जर्मनी में 40त्न है। इससे पता चलता है कि रिश्तों को बनाए रखने के मामले में भारत का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी बेहतर है। लेकिन सिर्फ इसलिए कि यहां तलाक कम हो रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि यहां के लोग अपने रिश्तों से खुश हैं। इसके पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। हमारे देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का बोलबाला है। भारतीयों के लिए अलगाव या तलाक कभी भी आसान बात नहीं रही, इसे पुरुष या महिला के चरित्र पर एक काला धब्बा माना जाता है। अन्य देशों की तरह यहां रिश्ते केवल शारीरिक आकर्षण के आधार पर नहीं बनते।इसके अलावा हिंदू धर्म तलाक शब्द को नहीं जानता।हिंदू धर्म में विवाह एक पवित्र और अनमोल रिश्ता है जिसे केवल एक जन्म के लिए नहीं बल्कि सात जन्मों के लिए माना जाता है।इसके अलावा कई अन्य कारक भी हैं जिनमें आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता, सामाजिक और पारिवारिक दबाव शामिल हैं।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

नव वर्ष-नव संकल्प

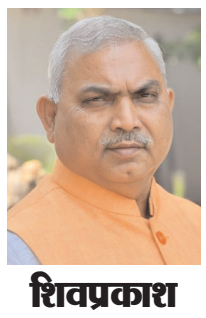

शिवप्रकाश

भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक जीवन की समस्त विधाओं में भारत की अग्रगणीयता, आर्थिक समृद्धि,प्रकृति में वसंत अर्थात सम्यक परिवर्तन की दिशा का संदेश संपूर्ण मानवता को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा देती आई है 7 भारतीय समाज में व्यैक्तिक एवं सामूहिक जीवन में उत्थान के लिए नव वर्ष पर नव संकल्प लेने की परंपरा है 7 इस विक्र म संवत के आगमन पर हम हर्ष एवं उल्लास के साथ नव वर्ष का स्वागत करेंएवं भावी समाज को संरक्षित करने की दिशा में नवसंकल्प लें।

भारतीय कालगणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को विक्रमी संवत 2082 प्रारंभ हो रहा है। आंग्ल तिथि के अनुसार 30 मार्च रविवार का यह दिन है। भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक अनेक ऐतिहासिक प्रसंग चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के साथ जुड़ें है। पृथ्वी की उत्पत्ति के कारण पृथ्वी संवत, सृष्टि प्रारंभ दिवस के कारण सृष्टि संवत, श्रीराम जी का राज्याभिषेक, कलयुग संवत,युधिष्टिर संवत, विक्रम संवत (2082), शालिवाहनशकसंवत (1947),युगाब्द(5127),मालव संवत, गुडी पाडवा, आर्य समाज स्थापना, उगादि, गुरु अंगद देव का जन्म दिवसएवं झूलेलाल जी का अवतरण दिवस आदि सभी प्रेरणा दिवस इस शुभ दिन के साथ जुड़े है। शक्ति की उपासना के प्रतीक नवदुर्गा का प्रारंभ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ0केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी वर्षप्रतिपदा ही है।

शारीरिक- शरीरमाध्यम्खलु धर्म साधनम्(अर्थात धर्म के साधन का मार्ग स्वस्थ शरीर ही है) भारत मेंअसावधानी के कारण हमारा खानपान स्थूल(मोटापा) शरीर का निर्माण कर रहा है। जिसके कारण अनेक रोग हमारे शरीर को अपना घर बना रहे हैं। दुनिया के देशों की तुलना में हमारे देश में गंभीर रोगों का औसत अधिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए फिट इंडिया का संदेश दिया था। नव वर्ष पर यदि हम अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में संतुलित आहार, व्यायाम एवं योग को स्थान देंगे तब हमारा स्वास्थ्यअच्छा होगा। हमारा स्वास्थ्य ही राष्ट्र के स्वास्थ्य से जुड़ा है। इसको हम प्रतिदिन का संकल्प बनाएं।

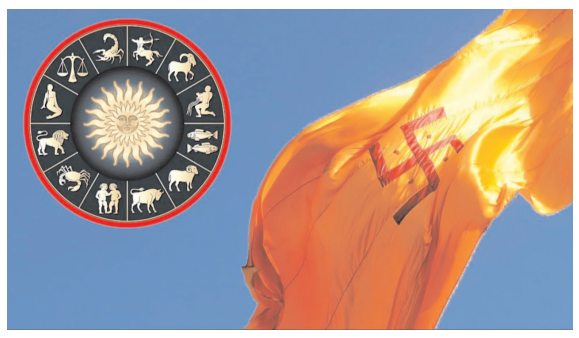

पारिवारिक- भारतीय समाज के चिरंजीवी होने के अनेक कारणों में से महत्वपूर्ण है हमारी पारिवारिक व्यवस्था। संपूर्ण विश्व इस पारिवारिक व्यवस्था का अध्ययन एवं अनुपालन करने का प्रयास कर रहा है। परिवार के सभी सदस्यों में सामूहिकता, सुरक्षा, परस्पर प्रेम और आत्मीयता का अंकुरण होता है । परिवार टूटने के कारण ही दुनिया के देश अपने बजट का बड़ा भाग सामाजिक सुरक्षा पर खर्च कर रहे हैं। भारत में दुनिया की तुलना में यह न्यून है। हम अपने परिवार के वृद्धों को सम्मान एवं आत्मीयता दें। इसका परिणाम होगा कि नवीन पीढ़ी में भी यह संस्कार आएगा। परिवार के सदस्य सामूहिक भोजन, सामूहिक भजन एवं वर्ष में एक-दो बार विशेष प्रसंगो पर वृहद् परिवार मिलन कर पारिवारिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का संकल्प लें।

भाषा सीखे-विशाल भूभाग वाले अपने देश में अनेक भाषाओं एवं बोलियों का उपयोग होता है। सभी भाषाओं में एक अन्तर्निहित एकात्मता है। हम अपनी मातृभाषा के साथ-साथ एक और दूसरे प्रदेश की भाषा सीखने का प्रयास करें। जिसके कारण हम उस भाषा के साहित्य में छिपे तत्वज्ञान,महापुरुषों एवं परंपराओं को समझ सकेंगे, एवं राष्ट्र की एकात्मता वृद्धि में सहयोगी बन सकेंगे।

नागरिक अनुशासन- देश के संविधान के प्रति आदर एवं श्रद्धा भाव, देश को सुचारू संचालित करने के लिए बनी व्यवस्थाओं का अनुपालन, देश की सम्पत्तियों का संरक्षण, नियमों का पालन,शुचिता पूर्ण कर्तव्य निष्ठ व्यवहार करने से देश में अनुशासन का भाव निर्माण होगा। यह अनुशासन ही किसी भी देश की महानता की गारंटी है । अभावग्रस्त समाज के लोगों को शिक्षा,भोजन,कार्य कुशलता निर्माण कर सेवा के माध्यम से समृद्ध करें। अपने चारो तरफ होने वाली घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए समाज में सुरक्षितता का वातावरण बनाएं। नए-नए प्रयोगों के द्वारा रोज़गार प्रदान करते हुए भारत को आर्थिक समृद्ध कर, विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति में सहायक होना हमारा संकल्प बने ।

संयमित एवं सादगी पूर्ण जीवन शैली- पंडित दीन दयाल उपाध्याय द्वारा स्थापित सिद्धांत खर्च में संयम एवं उत्पादन में वृद्धि हम सभी के लिए मार्गदर्शक है ।आय से अधिक खर्च किसी भी समाज में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। समाज में एक दूसरे को देखकर अधिक खर्च की प्रवृत्ति भी बढ़रही है। शादी-विवाह एवं शुभ प्रसंगों के समय बर्बाद होता भोजन यह राष्ट्र की संपत्ति का ही नुकसान है। यह दृष्टि लेकर व्यक्तिगत जीवन में सादगी एवं संयम पूर्ण व्यवहार से समाज को सम्यक दिशादें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अन्न की बर्बादी के संबंध में सम्पूर्ण देश को सचेत किया था ।

महिला सशक्तिकरण-अपने प्राचीन धर्म ग्रंथो में माँ (स्त्री) का बड़ा श्रेष्ठ स्थान (यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः) था । कालांतर में समाज में अनेक कुप्रथाए आई। आज भी समाज में हृदय को विदीर्ण करने वाली अनेक घटनाएं होती रहती है। महिला हिंसा एवं दुर्व्यवहार को समाप्त करें।समाज में महिलाओं को समान स्थान,समान अवसर, निर्णयों में समान सहभागिता का वातावरण बनाने में हम सभी सहभागी बने।

पर्यावरण संरक्षण- महात्मा गाँधी जी का प्रसिद्ध वाक्य The Earth has enough resources for our need but not for our greed.भोगवादी जीवन शैली एवं प्रकृति के संसाधनों पर कब्जे की मनोवृति के कारण हमने पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ की है। जिसका परिणाम है प्रदूषण एवं तापमान में वृद्धि। अनेक विद्वानों एवं पर्यावरण केंद्रित संस्थाओं के आकड़े हमें चिंतित करने वाले है। मनुष्य का जीवन भविष्य में सुरक्षित रहेगा अथवा नहीं यह सभी की चिंता का विषय है। हम इस नव वर्ष पर अपना जीवन पर्यावरण को संरक्षित करनेवाला बनाएं, एवं जल, भोजन, वायु, वनस्पति सभी शुद्ध रहे इसका संकल्प लें।

संस्कृति स्वाभिमान- हमारी संस्कृति त्यागमयी एवं सभी के कल्याण का विचार करने वाली है। इस कारण विश्व शांति की गारंटी भारतीय संस्कृति ही है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमको इस सांस्कृतिक गौरव का ही स्मरण कराती है। हम स्वयं एवं आने वाली पीढ़ी में अपने महापुरुषों, अपनी परंपराओं के प्रति यह गौरव के भाव को जागृत करने का संकल्प लें।चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के उत्सव को व्यक्तिगत के साथ-साथ समाज का उत्सव बनाते हुए, हम अपने व्यक्तिगत जीवन एवं समाज जीवन में यह संकल्प ले तब नव वर्ष की सार्थकता सिद्ध होगी।

- लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

नव संवत्सर : भारत का नव वर्ष

सुरेश हिन्दुस्थानी

आज यह प्रामाणिक रूप से कहा जा सकता है कि अपने स्वर्णिम अतीत को विस्मृत करने वाला भारतीय समाज अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। सही मायनों में कहा जाए तो समाज प्राकृतिक होने की ओर कदम बढ़ा चुका है। विश्व की महान और शाश्वत परंपराओं का धनी भारत देश भले ही अपने अपनी पहचान बताने वाली कई बातों का भूल गया हो, लेकिन कुछ बातें ऐसी भी हैं, जिनका स्वरुप आज भी वैसा ही दिखाई देता है, जैसा दिग्विजयी भारत का था। हम भले ही अपने शुभ कार्यों में अंग्रेजी तिथियों का उल्लेख करते हों, लेकिन उन तिथियों का उन शुभ कार्यों से कोई संबंध नहीं रहता। हम जानते हैं कि भारत में जितने भी त्यौहार एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं, उन सभी में केवल भारतीय काल गणना को ही प्रधानता दी जाती है। इसका आशय स्पष्ट है कि भारतीय ज्योतिष उस कार्य के गुण और दोष को भली भांति प्रकट करने की क्षमता रखता है। किसी अन्य कालगणना में यह संभव ही नहीं है। वर्तमान में हम भले ही स्वतंत्र हो गए हों, लेकिन पराधीनता का काला साया एक आवरण की तरह हमारे सिर पर विद्यमान है। जिसमें चलते हम उस राह का अनुसरण करने की ओर प्रवृत्त हुए हैं, जो हमारे संस्कारों के साथ समरस नहीं है। अब नव वर्ष को ही ले लीजिए। अंग्रेजी पद्धति से एक जनवरी को मनाया जाने वाला वर्ष नया कहीं से भी नहीं लगता। इसके नाम पर किया जाने वाला मनोरंजन फूहड़ता के अलावा कुछ भी नहीं है। सोचने की बात यह है कि आधुनिकता के नाम पर समाज का अभिजात्य वर्ग वह सब कुछ कर रहा है, जो सभ्य और भारतीय समाज के लिए स्वीकार करने योग्य नहीं है। विसंगति तो यह है कि हमारे समाज के यही लोग संस्कृति बचाने के नाम पर लम्बे चौड़े व्याख्यान देते हैं। भारतीय काल गणना के अनुसार मनाए जाने वाले त्यौहारों के पीछे कोई न कोई प्रेरणा विद्यमान है। हम जानते हैं कि हिन्दी के अंतिम मास फाल्गुन में वातावरण भी वर्ष समाप्ति का संकेत देता है, साथ ही नव वर्ष के प्रथम दिन से ही वातावरण सुखद हो जाता है। हमारे ऋषि मुनि कितने श्रेष्ठ होंगे, जिन्होंने ऐसी काल गणना विकसित की, जिसमें कब क्या होना है, इस बात की पूरी जानकारी समाहित है। पिछले दो हजार वर्षों में अनेक देशी और विदेशी राजाओं ने अपनी साम्राज्यवादी आकांक्षाओं की तुष्टि करने तथा इस देश को राजनीतिक दृष्टि से पराधीन बनाने के प्रयोजन से अनेक संवतों को चलाया, किंतु भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान केवल विक्रमी संवत के साथ ही जुड़ी रही।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

नव संवत्सर : केवल पर्व नहीं, सनातन की प्रामाणिकता को समझने का अवसर भी

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

आशय यह कि यदि पश्चिमी सभ्यता को आधार मानकर मानवीय समृद्धि का आकलन किया जाए तो वह केवल 2025 साल पुरानी ही प्रमाणित हो पाती है। जबकि भारतीय संवत्सर 2082 यह प्रतिपादित करता है कि हमारे यहां पश्चिमी दुनिया से लगभग 57 साल पहले विक्रम संवत स्थापित हो चुका था। यह भी इतिहास में दर्ज है कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल इतना समृद्ध और विकसित रहा है, जिसके जीवंत प्रमाण भारत में आज भी मौजूद हैं और इसकी संपन्नता के उदाहरण दुनिया भर में दिए जाते हैं। दिन के उजाले की तरह सहज सत्य है कि सम्राट विक्रमादित्य भारतीय सभ्यता में पहले शासक नहीं थे।

नव संवत्सर का महापर्व - गुड़ी पड़वा, वर्ष प्रतिपदा, उगादि, चैत्र मास की नवरात्रि, रामनवमी और फिर हनुमान जयंती। अनेक त्योहारों का यह समूह भारतीय नव वर्ष का उद्घोष तो है ही, एक स्वर्ण अवसर भी है, यह समझने और जानने का कि वास्तव में हमारी भारतीय संस्कृति कितनी पुरातन, गौरवशाली और समृद्धशाली रही है। पहले हम विक्रम संवत्सर की बात करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार आगामी 29 मार्च 2025 की संध्याकाल में 4-27 पर विक्रम संवत 2082 की वर्ष प्रतिपदा प्रारंभ हो रही है, जो कि अगले दिन यानी 30 मार्च 2025 को मध्यान्ह 12-49 तक रहने वाली है। क्योंकि इस तिथि में सूर्योदय 30 मार्च को होने जा रहा है। फल स्वरुप वर्ष प्रतिपदा का त्योहार 30 मार्च को मनाया जाना सुनिश्चित है। सर्व विदित है कि हम यह त्यौहार सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रम संवत के अनुसार आने वाले नव वर्ष के रूप में मनाते चले आ रहे हैं। इतिहास की मानें तो सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को हराने के बाद उस संवत्सर की स्थापना की थी जो अब 2081 वर्ष पुराना हो चुका है और हम 30 मार्च को संवत्सर 2082 की वर्ष प्रतिपदा का त्यौहार मनाने जा रहे हैं। जहां तक मानवीय सभ्यता की बात है तो इसे समूचे विश्व में ई. सन के माध्यम से आंका जाता है जो अभी 2025 से साक्षात्कार कर रहा है। दुर्भाग्य जनक बात यह है कि पश्चिमी सभ्यता से दिग्भ्रमित अनेक भारतीय विद्वान भी भारतीय सनातन की पुरातनता को भूलकर ई. सन को ही सर्वाधिक पुरानी सभ्यता प्रतिपादित करने में लगे रहते हैं।

उनके पहले भी अनेक सभ्यताएं भारत वर्ष में स्थापित हुईं और उन्होंने अपने ज्ञान एवं अनुभवों से पूरे विश्व को लाभान्वित किया। यदि कलियुग की ही बात की जाए तो हमारी सभ्यता कम से कम 5000 वर्ष पुरानी तो हो ही जाती है। क्योंकि हमारे ग्रंथ बताते हैं कि द्वापर युग के दौरान आज से लगभग 5124 साल पहले कुरुवंशी महाराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक बर्ष प्रतिपदा के दिन ही हुआ था। सब जानते हैं कि पांडवों के स्वर्गारोहण से पूर्व राजा परीक्षित ने भारत का राज्य शासन संभाला वैसे ही कलयुग का प्रारंभ हो गया था। उसी के प्रभाव से वशीभूत होकर राजा परीक्षित ने एक संत के गले में मरा हुआ सर्प डाल दिया था। फल स्वरुप राजा परीक्षित की मृत्यु सर्पदंश के कारण ही हुई थी। इस वर्णन के हिसाब से देखा जाए तो भारतीय सनातन का गौरवशाली एवं समृद्धशाली सभ्यता का इतिहास 5000 वर्षों से भी अधिक पुराना है। केवल कलयुग की ही काल गणना की जाए तो अभी युगाब्ध 5126 प्रचलन में है। इस आधार पर हमारी सभ्यता 5000 सालों से भी अधिक पुरानी हो जाती है। किंतु महाराज युधिष्ठिर को भी भारतीय सभ्यता का प्रथम शासक नहीं माना गया। उनके पहले भी राजा भरत से लेकर पांडू अथवा धृतराष्ट्र तक कुरुवंशियों की अनेक पीढ़ियों ने भारतवर्ष पर शासन किया है। इन सब की गणना की जाए तो तब से लेकर अभी तक भारतीय सभ्यता 8 लाख 64000 सालों का बेहद संपन्न दौर पूरा कर चुकी है। इससे भी पहले त्रेता युग में सूर्यवंशियों की स्वर्णिम आभा भारतीय सनातन को अपने ऐश्वर्य और वैभव से दैदीप्यमान करती रही हैं। जिसमें राजा इक्ष्वाकु से शुरू होकर लव कुश तक के राजा विश्व के बहुत बड़े भूभाग पर शासन करते रहे हैं, जिसमें भारतवर्ष सत्ता का केंद्र बना रहा। उस युग की काल गणना कर ली जाए तो उसे गुजरे हुए अभी तक 12 लाख 96 हजार सालों का समय गुजर चुका है। जबकि सूर्यवंश की शुरुआत सतयुग में ब्रह्मा जी से है। ब्रह्मा जी के पुत्र मरीचि, उनके पुत्र कश्यप और फिर विवस्वान से सूर्यवंश का प्रादुर्भाव माना जाता है। राजा हरिश्चंद्र का प्रसंग इसी कालखंड का प्रामाणिक इतिहास है। हमारे धर्मशास्त्र बताते हैं कि महाराजा हरिश्चंद्र का शासन विश्व की सर्वोत्कृष्ट सभ्यताओं, ऐश्वर्य वैभव का स्थापित प्रमाण है। यानि कि भारतीय सभ्यता सतयुग में भी समृद्धशाली रही, जिसे गुजरे हुए कम से कम 17 लाख 28 हजार वर्ष का समय व्यतीत हो चुका है।

इस प्रकार देखें तो भारतीय सभ्यता स्वतः ही सनातन सिद्ध हो जाती है। सनातन का मतलब जो सृष्टि के प्राकट्य के साथ ही था, आज भी है और सदैव बना रहेगा। विश्व की अन्य सभ्यताएं भले ही बंदरों को मनुष्यों का पूर्वज मानती रही हैं। लेकिन हमारे लाखों साल पुराने वेद, पुराण, शास्त्र यह प्रतिपादित करते हैं कि भारतीय सभ्यता इस ब्रह्मांड के प्राकट्य के साथ ही अस्तित्व में आई और युगों युगों से पूरे विश्व का मार्गदर्शन करती रही। कालांतर में विदेशी लुटेरों, आक्रांताओं ने सोने की चिड़िया के नाम से विश्व प्रसिद्ध भारतवर्ष पर निरंतर आक्रमण किये। उसे लूटा खसोटा तथा हर उस प्रतीक को मिटाने के जी तोड़ प्रयास किए गए, जो भारतीय सभ्यता की सनातनता को प्रमाणित करते रहे। हमारी गौरवशाली और समृद्धशाली संस्कृति को मिटाने के हर संभव प्रयास किए गए। इसके बावजूद भी आज जब खुदाई के दौरान धरती के गर्भ में पुराने विकसित नगर दिखाई देते हैं, तब सत्यता सर्वोच्च गर्जना के साथ उद्घोष करती है कि विश्व में भारत से पुरानी सभ्यता और कोई नहीं। बर्ष प्रतिपदा स्वयं यह बताती है कि वह आज ही का दिन था, जब ब्रह्मा जी द्वारा ब्रह्मांड की सृष्टि की शुरुआत की गई थी। क्योंकि इसी दिन सृष्टि अस्तित्व में आई तो सतयुग की शुरुआत भी वर्ष प्रतिपदा से ही मानी जाती है। वह आज ही का दिन था जब श्री हरि विष्णु जी ने प्रलय के दौरान मत्स्य अवतार लेकर प्रकृति के बीजों का संरक्षण व संवर्धन किया था। यही वह दिन है जब श्री राम ने त्रेता युग में वानर राज बालि का वध किया था।

और भी बहुत सारे शास्त्रीय, पौराणिक, वैदिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक प्रसंग हैं, जो वर्ष प्रतिपदा को प्रमाणिकता प्रदान करते हैं। साथ में यह प्रतिपादित भी करते हैं कि भारतीय संस्कृति का वास्तविक स्वरूप सनातन ही है। जो सृष्टि के प्राकट्य के साथ ही अस्तित्व में थी, वर्तमान में है और भविष्य में सदैव बनी रहेगी। हर भारतीय को इस त्यौहार पर गर्व करना चाहिए। देश विदेश में भारतीय संस्कृति का परचम लहराने वाले सभी सनातनी हिंदुओं अर्थात भारतीयों को वर्ष प्रतिपदा की ढेर सारी बधाइयां और हार्दिक शुभकामनाएं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8321

1	2		3		4		■	■
■		■		■		■	5	■
6		■	7			■	8	9
	■	10		■	11	12	■	
13			■	■	■	14		
	■	15	16	■	17		■	
18	19	■	20			■	21	
■		■		■		■		■
■	■	22						

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर,रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य,कीमत,दर-2
10. जी,इच्छा,चित-2
11. नलका,टोंटी-2
13. बारीक,सूक्ष्म-3
14. रेखा,लाइन-3
15. रग,नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध,कत्ल,मर्डर-2
20. दौड़ने वाला,धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना,प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण,बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह,जिज्ञासा-3
16. हद,सीमा,बार्डर-4
17. हमेशा,सदैव-4
19. बलिदान,परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8320 का हल

स	ही	■	का	■	म	■	ह	क
ला	■	सा	या	■	य	श	■	हा
म	त	ली	■	सां	■	क	ल	र
■	ल	■	च	प	ल	■	ह	■
घ	ब	रा	ना	■	च	प	ल	ता
■	गा	■	ब	हा	र	■	हा	■
भ	र	म	■	नि	■	प	ना	ह
ला	■	द	ल	■	क	द	■	वे
ई	ख	■	म्हा	■	ली	■	डा	ली

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.43 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	08.23 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.21 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.34 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.50 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.02 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.13 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.28 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.44 बजे से
राहुकाल		मकर	01.49 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	03.35 बजे से
		मीन	05.08 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 89 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत ।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 12.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 16.35 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 17.54 बजे को समाप्त।
करण बव 12.50 बजे तदनन्तर बालव 23.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 47'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872299
जूलियन दिन 2460764.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 29
विशेष चंद्र दर्शन, चैत्र नवरात्रि, गुडी पडवा, उगादी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यूज इन शॉर्ट

शान्ति समिति की बैठक में शांति सौहार्द्र से त्योहार मनाने पर सहमति

अनूपपुर। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली एवं पुलिस अधीक्षक मोती मोती उर रहमान के निर्देशन में शनिवार को थाना कोतवाली में आगामी चेट्री चंड उत्सव, गुड़ी पड़वा, ईद उल फितर, श्रीराम नवमी एवं श्री हनुमान जन्मोत्सव को शान्ति पूर्व मनाए जाने शान्ति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। शान्ति समिति की बैठक में एसडीओपी सुमित केरकेट्टा, तहसीलदार अनुपम पांडेय, टीआई अरविन्द जैन, सीएमओ नपा भूपेन्द्र सिहं, जेई अनूपपुर मनीष जोशी, आशीष त्रिपाठी, सियाराम राठौर, सदर लियाकत अली, पूर्व सदर मोहम्मद सलीम, करतार सिहं केवलानी, तेजू भोजवानी, राकेश अग्रवाल, राहुल अग्रहरि, बृजेश राठौर सहित अन्य गणमान्य शामिल हुए। जहां सभी ने शांति सौहार्द्र व भाईचारे के साथ त्योहार मनाने पर सहमति दी।

ईद में सेवइयां के साथ दूसरे पकवान भी होंगे ख़ास

कोतमा। शुक्रवार को रमजान माह के अंतिम शुक्रवार को अलविदा जुमा की नमाज के रूप में अदा कर क्षेत्रवासी ईद की तैयारियों में जुट गए हैं। इस दौरान अलविदा जुमा की नमाज सभी मस्जिदों में शांति के साथ संपन्न हो गई। थाना प्रभारी सुंदेश सिंह पूरी टीम लगातार भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर मुस्तैद रही। नगर के बाजार जामा मस्जिद, विकास नगर मस्जिद, बनिया टोला, लहसुई, गोविंदा सहित ग्रामीण अंचलों की मस्जिद में भारी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। वहीं ईद उल फितर की आहट के साथ ही नगर के बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। साप्ताहिक बाजार सहित ईद की तैयारी को लेकर बाजार में रौनक देखी जा रही है। मुस्लिम समुदाय के लोग तेज गर्मी और धूप की परवाह किए बिना दिन से ही खरीदी के लिए निकल रहे हैं। महिलाएं, पुरुष, बच्चों सहित परिवार के लिए नए कपड़े खरीद रहे हैं। ईद की तैयारी में सेवई , ड्राय फ्रूट्स सहित अन्य खाद्य सामग्री की भी तैयारी जोरों से की जा रही है। महिलाएं खरीदी के साथ घर में तरह-तरह के व्यंजन बनाने के लिए भी जरूरी तैयारी करते देखी जा रही हैं। सुरैया आरफीन ने बताया कि ईद में लोग एक दूसरे को घर बुलाते हैं और मीठी सेवइयां के साथ अन्य लजीज व्यंजन परोस ईद की बधाई देते हैं। बधाइयां देते हुए खुशी भी मनाई जाती है। ईद के लिए हमने नए कपड़ों की खरीदी कर लिए हैं। विशेष व्यंजन बनाने की तैयारी है। वहीं नेहा आबदीन बताती हैं कि त्योहार के लिए परिवार जनों सहित अन्य लोगों को आमंत्रण देना शुरू कर दिया है। ईद को लेकर पूरे परिवार में अच्छा खासा उत्साह बना हुआ है। ईद के दिन विशेष सेवईयां और अन्य मिठाइयां भी बनाने की तैयारी है, जिसकी सामग्री को जुटाने का काम चल रहा है। ईद के दिन सभी नए कपड़े पहनेंगे। विशेष कर बच्चों में ईद को लेकर अच्छा खासा उमंग रहता है। नाहिद अख्तर का कहना है कि मुस्लिम परिवार में ईद का दिन बहुत ज्यादा खास होता है। रमजान के पूरे महीने के रोजे के बाद इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है।

नशे की हालत में सडक़ पर दौड़ रहा था ट्रेलर व ट्रक, एमवी एक्ट में मामला दर्ज

अनूपपुर। चौकी सरई थाना करनपठार ने 28 मार्च की रात वाहन चैकिंग के दौरान ट्रेलर ट्रक क्रमांक सीजी 04 वायए 8431 के चालक 42 वर्षीय उमेश कुमार गौतम पिता स्व. राम बचन गौतम निवासी ग्राम मुगलपुरा थाना पीपराईच जिला गोरखपुर (यूपी), एवं ट्रक क्रमांक यूपी 70 जीटी 5872 के चालक 34 वर्षीय सुबेदार सिंह पिता राजबहोर सिंह निवासी त्यौथर जिला रीवा (मप्र.) के विरूद्ध शराब पीकर वाहन चलाने पर धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जहां पुलिस ने दोनों ट्रको को जब्त करते हुए चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी पीसी कोल के नेतृत्व में उप निरीक्षक मंगला प्रसाद दुबे एवं चौकी प्रभारी सरई ने बताया कि वाहन चालको द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने की शिकायत पर वाहन चैकिंग के दौरान ट्रेलर ट्रक क्रमांक सीजी 04 वायए 8431 के चालक और ट्रक क्रमांक यूपी 70 जीटी 5872 के चालक को शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की गई है। दोनो वाहनो को जप्त कर चौकी परिसर खड़ा कराया गया है। जिसे प्रकरण को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

चेक बाउंस के फरार गिरफ्तारी वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

अनूपपुर। रामनगर थाना पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में फरार चल रहे गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय पेश किया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि न्यायालय में विचाराधीन विभिन्न आपराधिक प्रकरणों में चल रहें फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश करने दिए निर्देशित में 29 मार्च को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोतमा जिला अनूपपुर द्वारा जारी प्रकरण क्रमांक 54/23 धारा 138 पार.लि.अधि. के गिरफ्तार वारंटी 46 वर्षीय राज कुमार कोल पिता फक्कर कोल निवासी कपिलधारा कॉलोनी बिजुरी को गिरफ्तार कर न्यायालय कोतमा में पेश किया है।

घर से बिना बताए किशोरी हुई गुम

अनूपपुर। बिजुरी पुलिस ने अपहृत किशोरी को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि 22 मार्च को फरियादिया दुर्गा कोल पति शंभू कोल उम्र 45 वर्ष निवासी गलैयाटोला ने थाना में रिपोर्ट किया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है।

देवी मंदिरों के साथ पंडालों में विराजेगी आदिशक्ति माता, चैत्र नवरात्र आज से आरंभ

हाथी पर सवार होकर आएगी मां दुर्गा, भक्तों की इच्छाएं होगी पूर्ण

विजय मत, अनूपपुर/कोतमा।

चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से आरंभ हो रही है जो 6 अप्रैल को रामनवमी के साथ समाप्त होगी। इस बार चैत्र नवरात्र नौ नहीं बल्कि आठ दिनों की होगी। जिसमें मां आदिशक्ति के विभिन्न स्वरूपों की पूजा अर्जना की जाएगी। नवरात्रि में घटस्थापना 30 मार्च रविवार को होगी और रामनवमी 6 अप्रैल यानी रविवार को ही समापन होगा। इसलिए इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी और 7 अप्रैल को हाथी पर सवार होकर ही वापस जाएंगी। ऐसा माना जाता है कि यह रूप भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी करता है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कई शुभ योग बन रहे हैं और इस वक्त घटस्थापना बहुत शुभ फल देने वाली मानी जा रही है। वहीं चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही हिंदू नववर्ष का आरंभ माना जाता है। चैत्र नवरात्रि पर्व को लेकर नगर के मंदिरों देवी मढ़ियों एवं चौरा में मंदिर समितियां के द्वारा तैयारी भी शुरू कर दी

गई है। मंदिरों के रंग रोगन का कार्य सम्पन्न हो गया और माता की चौकी की तैयारियां शुरू हो गई है। मंदिरों को जगमग झालर की रोशनी से सजाया जा रहा है। अनूपपुर में जहां देवी मढिया मंदिर, रामजानकी मंदिर, खेरमाई मंदिर, ठाकुर बाबा धाम, सहित अन्य मंदिरों की साजसज्जा की जा रही है। वहीं कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम पंचायती मंदिर, शारदा काली मंदिर, बूढ़ी दाई मंदिर, धर्मशाला मंदिर, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, गोविंदा कॉलोनी दुर्गा मंदिर, लहसुई कैंप संतोषी मंदिर में तैयारी माता के स्वागत के लिए तैयार है।

पूजा सर्वार्थ सिद्धि योग में

पंडित अमन पांडेय के अनुसार चैत्र नवरात्रि में कलश स्थापना 29 मार्च को होगी। इस बार मां जगदंबे की पूजा सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी। शाम 4 बजकर 32 मिनट पर प्रतिपदा तिथि शुरू हो रही है और यह तिथि 30 मार्च की दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगी। पूजा का शुभ समय 29 मार्च की शाम से शुरू हो जाएगा और जो कि 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। इसलिए 30 मार्च की दोपहर तक कलश स्थापना किया जा सकेगा। इस वर्ष सर्वार्थसिद्धि योग और रवि योग का संयोग बन रहा है। खास बात यह है कि महापर्व के दौरान चार दिन रवि योग तथा तीन दिन सर्वार्थसिद्धि योग का संयोग रहेगा। यानी ये पूरा समय पूजा-पाठ और शुभ कामों के लिए अच्छा है। इन योगों में किए गए काम सफल होते हैं।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

कलश स्थापना के लिए शुभ समय सुबह 6 बजकर 13 मिनट से 10 बजकर 22 मिनट तक होगी। इसके अलावा दोपहर 12 बजकर 1 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त भी है। इन दोनों मुहूर्तों में कलश स्थापना करना मनोवांछित फल प्रदान करने वाला माना जाता है और आपको मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

शोभायात्रा निकाल धूमधाम से मनाई गई झूलेलाल जयंती

सिंधी समाज के आराध्य देव की शोभायात्रा में शामिल हुए नगरवासी, सुरक्षा में पुलिस रही तैनात

विजय मत, अनूपपुर/कोतमा।

सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल जयंती शनिवार को जिलेभर में परंपरागत ढंग से धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर जिला मुख्यालय अनूपपुर व कोतमा में सुबह से समाज के लोगों में उत्साह बना रहा। जिला मुख्यालय अनूपपुर में झूलेलाल जयंती के अवसर पर वाहन रैली का आयोजन किया गया, वहीं जयंती के उपलक्ष्य में चेती चंद्रके मौके पर कई धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। सुबह भारतीय सिंधु सभा के देखरेख में निकाली गई वाहन रैली सिंधी धर्मशाला से शुरू हुई और रेलवे स्टेशन होते हुए आदर्श मार्ग बस स्टैंड सब्जी मंडी हनुमान मंदिर होते हुए सिंधी धर्मशाला में वापस लौटते हुए समाप्त हुई। रैली में बैंड-बाजों पर झूलेलाल के भजन बज रहे थे। समाज के अध्यक्ष और वरिष्ठजन भी बाइक में सवार थे। महिलाएं, पुरुष और युवा भी अपने वाहनों में कतारबद्ध होकर रैली

में शामिल हुए। यहां महिलाएं भी स्कूटर लेकर यात्रा में शामिल हुई।

पवित्र जल में अखंड ज्योति विसर्जित कर कार्यक्रम का हुआ समापन

वहीं कोतमा नगर में सिंधी समाज ने भगवान झूले लाल की जयंती पर आजाद चौक के पास स्थित गुरुद्वारा से शोभायात्रा शुरू की गई जो नगर के प्रमुख मार्गो में निकाली गई। बैंडबाजे के साथ निकाली गई शोभायात्रा में भगवान झूले लाल की आकर्षक झांकी सजाई गई थी। सबसे आगे रथ पर भगवान झूलेलाल की अखंड ज्योति चल रही थी। वहीं श्रद्धालु नाचते-गाते और अपने आराध्य देव के जय-जयकार करते चल रहे थे। श्रद्धालुओं ने बैंडबाजे की धुन पर डांडिया भी खेला और जमकर नृत्य करते हुए भजन-कीर्तन भी किया। दोपहर से शाम तक भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी धर्मों के लोगों ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। शोभायात्रा का समापन गुरूद्वारा में हुआ, यहां भजन-कीर्तन के बाद सभी ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। और अंत में कार्यक्रम का समापन भगवान झूले लाल की अखंड ज्योति को पवित्र जल में विसर्जित कर किया गया। जयंती के अवसर पर शोभायात्रा में सिंधी समाज के युवा, बुजुर्ग महिलाएं एवं बच्चे भारी संख्या में शामिल हुए।

अध्यक्ष व सदस्य सहित यूनियन लिफ्टरों और कमेटी पदाधिकारियों की छवि कर रहे खराब

संघ सचिव ने रामनगर थाना में दर्ज कराई शिकायत

विजय मत, अनूपपुर।

रामनगर थाना में 27 मार्च को लोकल क्षत्रिय ट्रक मालिक संघ डोला कोतमा के सचिव रामपाल तिवारी सहित अध्यक्ष राजेश रजक(पिंटू) ने संघ के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा आए दिन यूनियन के द्वारा लिफ्टरों एवं कमेटी के कुछ पदाधिकारियों की छवि खराब करने का प्रयास का आरोप लगाते हुए शिकायत पत्र सौंपा है। जिसमें सम्बंधित व्यक्तियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। लोकल क्षत्रिय ट्रक मालिक संघ डोला कोतमा द्वारा सौंपे गए शिकायती पत्र में बताया गया है कि जब से 10 सितंबर 2024 सोसाइटी का रजिस्ट्रीकरण हुआ है, इसके कुछ दिन बाद ही अध्यक्ष द्वारा कमेटी के कुछ सदस्यों में फूट डालकर इनके द्वारा यूनियन के नाम पर रसीद छपवा कर क्षेत्र के मोटर मालिकों के ट्रकों से अवैध रूप से पैसों की वसूली की जा रही है। जानकारी लगने पर विरोध जताकर बंद करवा दिया था। कुछ लिफ्ट(एमपी) रोड में काम कर रहे हैं वो जो यूनियन का तय भाड़ा था नहीं देते थे। और बोलते थे कि मेरी बात हो गई है। इस पर मेरे द्वारा यह कहा गया कि भाड़ा सभी को एक समान देना होगा। जिसके चलते मेरे खिलाफ कुछ सदस्यों से मिल साजिश कर बिना रजिस्ट्रेशन कॉपी बायलॉज के बिना ही अपने ही लेटर पैड में मिलजुल कर गठन कर मुझे फसाने का काम कर रहे थे। इनके द्वारा कुछ लिफ़्टरों को यूनियन का क्षेत्र के माइंसों में काम कर रहे डियो होल्डर/ लिफ्टरों से सांठ गांठकर खासकर (एमपी) रोड में कुछ लिफ्टरों को नजर अंदाज कर कुछ लोगों को भाड़ा के नाम पर परेशान किया जा रहा है। वैसे ही सीजी में काम कर रहे डियो एवं लिफ्टरो के साथ भी ऐसे ही कारनामे कर रहे हैं। जिसके चलते पूरे क्षेत्र में मोटर मालिक परेशान हैं। भाड़ा दिनों दिन गिरता जा रहा है। जिसका कुछ लोग विरोध किए थे, तो इन्हीं सदस्यों के साथ मिलकर उनके खिलाफ कार्रवाई कर बाहर कर दिए हैं।

सांई मंदिर चचाई की चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, अनूपपुर।

चचाई पुलिस ने सांई मंदिर चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी 21 वर्षीय गणेश बैगा पिता विजय बैगा निवासी छिरहाई टोला लालपुर थाना बुढार शहडोल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने चोरी का सामान साउंड सिस्टम बॉक्स स्टेपलाईजर बगैरह सहित कुल कीमत 11 हजार 500 रुपए का माल बरामद किया है। आरोपी को जेआर पर न्यायालय अनूपपुर पेश किया गया। थाना प्रभारी राकेश उइके ने बताया कि फरियादी राजेश कुमार चतुर्वेदी(पुजारी सांई मंदिर) चचाई ने 2 जनवरी को थाना चचाई में रिपोर्ट किया था कि रात 9 बजे मैं सांई मंदिर चचाई में पूजा पाठ के बाद चैनल गेट में ताला बंद कर घर चला गया था। सुबह 7 बजे मंदिर आया तो मंदिर का ताला टूटा था। मंदिर के अंदर से सांई भगवान की मूर्ति में लगा चांदी का मुकुट, चांदी की छतरी, पीतल की कृष्ण भगवान, लक्ष्मी, गणेश की छोटी छोटी मूर्ति तथा मंदिर में लगा साउंड सिस्टम बाक्स दो नग व स्टेपलाईजर नहीं था। कोई अज्ञात चोर 40 हजार रूपए की चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना में अज्ञात के खिलाफ धारा 331(4),305(ए) बीएनएस कायम कर जांच आरंभ की गई। 20 जनवरी को आरोपी रंजीत पटेल पिता अशोक पटेल निवासी इमली टोला बुढार के कब्जे से चांदी का मुकुट एवं चांदी की छतरी कीमत 28 हजार रूपए की बरामदगी की गई थी। जबकि आरोपी गणेश बैगा फरार हो गया था।

चारपहिया वाहन में आए बदमाश मोबाइल लेकर हुए फरार

कोतमा। कोतमा थाना क्षेत्र में चोर व बदमाशों का आतंक बढ़ता जा रहा है। अभी तक दो पहिया वाहन से ही मोबाइल लूटे जाने की घटनाएं सामने आ रही थी, नए मामले में चारपहिया वाहन चालक के द्वारा मोबाइल लेकर फरार हो जाने की घटना सामने आई है। पीड़ित ने चार पहिया वाहन के खिलाफ रिपोर्ट थाना में की है। पुलिस द्वारा तलाश करने पर अभी तक चारपहिया वाहन चालक का पता नहीं चल सका है। बताया जाता है कि नगरपालिका वार्ड क्रमांक 10 निवासी राम सोनी पिता रामरतन सोनी 28 मार्च को पुत्र भरत बाइक की डिग्गी में मोबाइल रखकर मेरे निजी घर से वार्ड क्रमांक 8 दुकान आ रहा था। तभी रास्ते में ब्रेकर होने के कारण मोबाइल बाइक की डिग्गी से गिर गया। जिसे उठाने के लिए मेरा पुत्र जैसे ही पहुंचा कि एक व्यक्ति द्वारा मोबाइल उठाकर चारपहिया वाहन चालक को दे दिया।

पर्यावरण संरक्षण एक जिम्मेदारी नहीं, आगामी पीढ़ियों के लिए एक उपहार-प्राचार्य

पांच दिवसीय हरित जीवन, हरित सोच प्रदर्शनी का हुआ समापन

विजय मत, कोतमा।

महाराजा मार्तंड महाविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय हरित जीवन, हरित सोच प्रदर्शनी का समापन सामारोह 28 मार्च को हो गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विद्यार्थियों को हरित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनय कुमार सोनवानी ने कहा पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार है। हमें अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाकर प्रकृति के संतुलन को बनाए रखना चाहिए, जो कि मानव जीवन के लिए अति आवश्यक है।

डॉ. गिरेन्द्र शर्मा ने कहा इस प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों ने

पर्यावरण-संवर्धन से जुड़ी विभिन्न तकनीकों और उपायों को न केवल सीखा, बल्कि इन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न नवाचारों, पोस्टर, मॉडल और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े शोध कार्यों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी के अंतर्गत कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, जैव विविधता संरक्षण, पौधारोपण आदि विषयों पर विशेष जानकारी दी गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। आयोजन में डॉ. प्रवीण कुमार यादव,.डॉ. राजकुमार रैदास,कृति मरावी, श्रीकांत मिश्र सहित अन्य लोग शामिल रहे।

वन्य प्राणी

पूर्व से हाथी गांवों में मचा रहा कोहराम, हाथियों के लगातार गांवों में प्रवेश से ग्रामीण परेशान

दो और हाथी छत्तीसगढ़ की सीमा लांघने की तैयारी में

विजय मत, अनूपपुर।

हाल के दिनों में छत्तीसगढ़ की वनसीमा लांघकर हाथियों का दल लगातार अनूपपुर की वन सीमा में प्रवेश कर रहा है, जहां लम्बे समय तक अस्थायी रहवास बनाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश कर ग्रामीणों के आवास और फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। जिसके कारण हाल के वर्षो में हाथियों के लगातार प्रवेश और नुकसान से अनूपपुर जिले के ग्रामीण परेशान और त्रस्त हैं। बताया जाता है कि दो और हाथी छत्तीसगढ़ की सीमावर्ती मरवाही जिले के वनक्षेत्र में विचरण कर अनूपपुर जिले के वनक्षेत्र में प्रवेश की तैयारी में हैं। माना जाता है कि ये दोनों चोलना की सीमा से 500 मीटर की दूरी पर स्थित है।

संभावना है कि हाथी देर रात जैतहरी के वनपरिक्षेत्र के चोलना गांव में प्रवेश कर जाएगा। वहीं हाथी गांव में प्रवेश न करें ग्रामीण पूरी रात अपने इलाके से हाथियों को दूर करने में लगे हुए हैं। अगर ऐसा होता है तो जिले में तीन हाथियों का दल मौजूद होगा और इससे ग्रामीणों को अधिक नुकसान उठाना पड़ेगा। क्योंकि वर्तमान में एक हाथी पिछले 10 दिनों से जैतहरी वनपरिक्षेत्र के साथ अनूपपुर वनपरिक्षेत्र में विचरण करते हुए दर्जनों आवास को क्षतिग्रस्त करते हुए और कई किसानों की खेतों में लगी फसल के आहार बनाते हुए नुकसान पहुंचाया है। हालांकि इस हाथी की निगरानी में वनविभाग का अमला मुस्तैद है। लेकिन हाथियों के साथ ग्रामीणों की सुरक्षा में अमला हाथियों को कहीं दूसरी जगह भगाने में असफल है। जिसके कारण हाथी अपनी जरूरतों के अनुसार रहवास को बदल रहा है। वहीं तीन हाथियों की मौजूदगी में वनविभाग की परेशानी के साथ ग्रामीणों को अधिक आर्थिक नुकसान होगा। फिलहाल हाथी मप्र-छग की सीमा पर विचरण कर रहे हैं।

कई दिनों से गोबरी में एकल हाथी का विचरण जारी

एक दांत वाला एक नर हाथी शुक्रवार को पूरे गोबरी के जंगल में ठहरने बाद शाम 4 बजे जैतहरी-राजेंद्रगाम मुख्य मार्ग से ठाकुर बाबा को पार करते हुए जंगल में स्थित गोबरार नाला पहुंचा। आसपास के जंगल में विचरण करते हुए गोबरी से ठेगरहा, झुरहीतलैया एवं बड़वार नाला पार कर ग्रामपंचायत पगना के बांका गांव में स्थित आसपास के गांवों में विचरण करते हुए सुबह पुनः गोबरी के जंगल पहुंचा है।

घर से किशोरी हुए लापता, पुलिस ने दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। रामनगर पुलिस ने थाना क्षेत्र से लापता हुई किशोरी को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि 21 मार्च को सीधी दफाई राजनगर निवासी महिला के द्वारा उसकी 15 वर्ष 10 माह की नाबालिग पुत्री के अचानक घर से लापता हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जहां पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया। खोजबीन के दौरान किशोरी को बिजुरी रेलवे स्टेशन से दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

सागर में संविधान चौक का लोकार्पण

इंदौर में भी बनेगा संविधान चौक : कैलाश विजयवर्गीय

विजय मत, भोपाल

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि सागर में बनाये गये संविधान चौक से अन्य जिलों को भी संविधान चौक बनाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंदौर में भी सागर जैसा संविधान चौक बनाया जायेगा। मंत्री विजयवर्गीय शुक्रवार को सागर में संविधान चौक के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। सागर नगर निगम ने शहर के अंबेडकर पार्क में चौराहे का सौंदर्यीकरण करते हुए संविधान चौक का निर्माण किया है। कार्यक्रम में विधायक शैलेन्द्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी भी मौजूद थीं।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन स्थल से संबंधित जगहों पर केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा स्मारक तैयार किये जा रहे हैं। उन्होंने

कहा कि डॉ. अंबेडकर ने नागपुर में जहाँ शिक्षा-दीक्षा ली, वहाँ 500 करोड़ रुपये की राशि से विशाल स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के आग्रह पर डॉ. अंबेडकर को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब की जन्म-स्थली महू में भी भव्य स्मारक तैयार किया गया है। मंत्री विजयवर्गीय ने अमर शहीद वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापना के लिये 50 लाख और सागर की लाखा बंजारा छोटी झील के सौंदर्यीकरण के लिये भी राशि की मंजूरी दी। इसी के साथ सागर में ई-वाचनालय के लिये 50 लाख रुपये की राशि मंजूर की।

पं. दीनदयाल उपाध्याय कॉम्पलेक्स का लोकार्पण

नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय ने सागर के कटरा वार्ड में बनाये गये पं. दीनदयाल उपाध्याय कॉम्पलेक्स का लोकार्पण किया। मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र कटरा बाजार में नगर निगम सागर ने 20 करोड़ 35 लाख रुपये की राशि से विशाल शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण किया है। शहर में बनाये गये 4 मंजिला शॉपिंग कॉम्पलेक्स में 148 दुकानें बनायी गयी हैं। कॉम्पलेक्स के डबल बेसमेंट में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गयी है।

किसानों के हित में गिरदावरी में संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की तिथि 15 अप्रेल तक बढ़ाई गई

विजय मत, भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में (डिजिटल फसल सर्वेक्षण) गिरदावरी में संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी गयी है। इससे किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिये कराये गये पंजीयन की जानकारी और गिरदावरी की जानकारी में आ रहे अंतर में सुधार करवा सकेंगे।

गौरतलब है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री के लिये किसानों द्वारा कराये गये पंजीयन में दी गयी जानकारी और पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी में विभिन्नता होने से आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने आयुक्त अभिलेख को गिरदावरी में संशोधन/दावा आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रेल तक बढ़ाये जाने का आग्रह किया था।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर एवं राजस्व मंत्री वर्मा ने मुरैना में स्वास्थ्य शिविर का किया अवलोकन

विजय मत, भोपाल

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने मुरैना जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउण्ड पर स्वास्थ्य कैम्प की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। शिविर में देश एवं विदेश से आये बड़े चिकित्सकों द्वारा गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर एवं मुरैना जिला प्रभारी एवं राजस्व मंत्री वर्मा ने शिविर में लगाये सभी विभागों के ओपीडी जिनमें जनरल, मेडीसन, ऑर्थोपैडिक्स, पीडियाट्रिक, ईएनटी, गायनकलॉजी, सर्जीकल, ऑपथामॉलोजी, डेंटल, यूरोलॉजी, सायकिएट्री, ऑनकोलॉजी, डरमैटलॉजी, पलमुनोरी, हिमाटोलॉजी, पेन मेडीसन, कार्डियोग्राफी, एनसीडी क्लीनिक आदि का अवलोकन किया।

इस अवसर पर सांसद विवेक तन्खा, कमलेश कुशवाह, समाजसेवी योगेशपाल गुप्ता, कलेक्टर अंकित अस्थाना, सीईओ जिला पंचायत कमलेश भार्गव सहित रोटरी के पदाधिकारी भूपेन्द्र जैन सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यूज इन शॉर्ट

उपमुख्यमंत्री देवड़ा भोपाल में विक्रमोत्सव में सम्मिलित होंगे

भोपाल। "प्रतिपदा" नव संवत्सर (नव वर्ष) 2028 के प्रारंभ अवसर पर प्रदेश भर में विक्रमोत्सव-2025 आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम उज्जैन में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मंत्रीगण, सांसदगण एवं विधायकगण सम्मिलित होंगे। भोपाल जिला मुख्यालय पर विक्रमोत्सवसुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 7 नंबर चौराहा में प्रातः 10:30 से आयोजित होगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री विश्वास सारंग एवं सांसद वी.डी. शर्मा सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में सूर्य उपासना, ध्वज वंदना एवं सम्राट विक्रमादित्य नाट्य की प्रस्तुति होगी।

विक्रमोत्सव - 2025 के अंतर्गत प्रतिपदा नव संवत्सर के अवसर पर " कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। विक्रम संवत 2082 के शुभारंभ के उपलक्ष्य में विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रम "प्रतिपदा नव संवत्सर " का आयोजन 30 मार्च को प्रातः 10:00 बजे से 7 नंबर चौराहा स्थित सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया जाएगा। यह आयोजन नाट्य अकादमी के सहयोग से संपन्न होगा, जिसमें सूर्य उपासना, ध्वज वंदना एवं नाट्य उत्सव के माध्यम से नववर्ष का स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधि, सांस्कृतिक कलाकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं की अनुपम झलक प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को वर्तमान पीढ़ी से जोड़ना है।

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव हाईकोर्ट तलब

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। जहां स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ संजय गोयल को पांच हजार रुपये के जमानती वारंट से तलब किया गया है। मामला निकायाधीन शब्द के उपयोग से जुड़ा हुआ है। याचिकाकर्ता कमलेश हायर सेकेंडरी स्कूल की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वह शासन अधीन विद्यालय है। लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग उन्हें निकायाधीन बताता है। निकायाधीन शब्द अस्तित्व में नहीं है, इस शब्द को डिलीट कर शासन अधीन कर दिया गया है। इसके बाद भी विभाग निकायाधीन शब्द का उपयोग कर रहा है। पूर्व में हुई सुनवाई में हाई कोर्ट ने शासन से निकायाधीन शब्द का अर्थ पूछा था। दो सुनवाई बाद भी शासन इसका अर्थ नहीं बता सकी। बल्कि शासन की ओर से याचिका को खारिज करने की मांग की गई। लिहाजा सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने सख्त रुख दिखाते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ संजय गोयल को पांच हजार रुपये के जमानती वारंट से तलब किया है। अगली सुनवाई में उन्हें उपस्थित होना होगा।

विधानसभा के प्रमुख सचिव एके सिंह का कार्यकाल बढ़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। सरकार ने उन्हें 6 महीने के लिए संविदा नियुक्ति दे दी है। सिंह 31 मार्च को रिटायर हो रहे थे। लेकिन उनके अनुभव को देखते हुए सरकार ने उन्हें अभी यथावत रखा है। एमपी विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह अभी यह दायित्व संभालते रहेंगे। विधानसभा के नियम के हिसाब से 65 वर्ष की आयु तक संविदा नियुक्ति का प्रावधान है। बता दें कि 2023 में रिटायरमेंट के बाद 2 साल के कार्यकाल में वृद्धि की गई थी।

मंत्री सारंग ने निभाया वादा, आर्थिक तंगी से परेशान महिला के पति को दिलाई नौकरी, बच्चों की फीस भी माफ

विजय मत, भोपाल

बीते दिनों शहर के प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर के बाहर मंत्री विश्वास कैलाश सारंग का एक आर्थिक रूप से त्रस्त महिला के साथ का वीडियो सोशल मीडिया पर बेहद वायरल हुआ था। इस वीडियो में मंत्री सारंग रोती महिला को मदद का आश्वासन देते नज़र आये थे। वहीं अब मंत्री सारंग ने अपने आश्वासन के मुताबिक महिला के परिवार को

आर्थिक सहायता देने के साथ ही पति को नौकरी भी दिलवाई और दोनों बच्चों की स्कूल फीस भी माफ करवा दी है।

पति को दिलवाई नौकरी, बच्चों की फीस भी माफ

मंत्री सारंग ने महिला की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उसकी मदद के लिए कदम उठाए। उन्होंने महिला और उसके पति को अपने निवास पर बुलाया और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया। मंत्री सारंग ने पहले तो स्कूल प्रशासन से संपर्क कर दोनों बच्चों की फीस माफ करवाई। इसके बाद, उन्होंने महिला के पति को एक निजी फैक्ट्री में वेल्डर की नौकरी दिलवाने की व्यवस्था भी की।

परिवार ने जताया मंत्री सारंग का आभार

महिला और उसके परिवार ने मंत्री सारंग का धन्यवाद किया और उनकी मदद के लिए आभार व्यक्त किया। महिला ने कहा, "हनुमान जी ने मंत्री सारंग को मेरे परिवार की मदद करने के लिए अपना दूत बनाकर भेजा है।" परिवार ने मंत्री की मदद को जीवन में एक नई आशा और संबल मानते हुए उनका धन्यवाद किया।

कई बार लोगों की मदद कर चुके हैं मंत्री सारंग

यह पहला मौका नहीं है, जब मंत्री विश्वास सारंग ने किसी जरूरतमंद की मदद की हो। इससे पहले भी कई अवसरों पर उन्होंने मानवता का परिचय दिया है। उल्लेखनीय है कि वे प्रतिदिन अपने निवास पर जनदर्शन कर जनता की समस्याओं को सुनते हैं, जिसमें भोपाल सहित विभिन्न जिलों से लोग अपनी समस्याओं का समाधान पाने के लिए आते हैं।

प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस से तापमान में आई गिरावट, एक अप्रैल को हल्की बारिश का अलर्ट

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से आ रही तेज हवाओं से प्रदेश के तापमान में गिरावट हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार को भी तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है। इससे पहले शुक्रवार की शाम को थोड़ी ठंडक देखने को मिली। इससे पारा लुढ़क गया। मौसम विभाग ने एक अप्रैल को भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग के 13 जिलों में मौसम के बदलने का अनुमान जताया है। इस दौरान हल्की बारिश हो सकती

है। मौसम विभाग के अनुसार अभी अफगानिस्तान के ऊपर सिस्टम एक्टिव है, जो आगे बढ़ रहा है। पश्चिमी भारत में सिस्टम असर दिखा सकता है। हालांकि, इससे पहले प्रदेश में गर्मी का असर देखने को मिलेगा।

अप्रैल में चलेगी लू... अप्रैल में लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रहने की संभावना ज्यादा है। जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यतः दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

साढ़े चार डिग्री तक तापमान में गिरावट

प्रदेश के कई शहरों में साढ़े चार डिग्री तक तापमान में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्वालियर में देखी गई यहां का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले यहां 39.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। इसी प्रकार गुना में अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले यहां का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री दर्ज किया गया था। राजधानी भोपाल में भी 3.8 डिग्री तापमान में गिरावट आई है, यहां का अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे गर्म नर्मदापुरम रहा यहां का अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में भी 3.9 डिग्री की गिरावट आई है, यहां का अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर में 1.2 डिग्री की गिरावट हुई।

जल जीवन मिशन ने बदली जनजातीय अंचलों की तस्वीर

डिण्डौरी जिले के 24 जनजातीय गांवों में घर-घर पहुंचा शुद्ध पेयजल

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत जनजातीय अंचलों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। डिंडोरी जिले के बैगा जनजातीय बहुल 24 गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। वर्षों से जल संकट से जूझ रहे इन गांवों के हजारों परिवारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे अब वे सीधे नल से स्वच्छ पेयजल प्राप्त कर रहे हैं। डिण्डौरी जिले के इन गांवों में अब तक ग्रामीण नदी-नालों और परंपरागत जलस्रोतों पर निर्भर थे, जिससे उन्हें न केवल लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, बल्कि दूषित जल सेवन से बीमारियों का भी सामना करना पड़ता था। अब पीएचई विभाग द्वारा स्थापित आधुनिक वाटर यूनिट्स के माध्यम से हर घर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। खारीडीह ग्राम पंचायत के उफरी और बाहरपुर गांव के निवासियों

ने बताया कि पहले पेयजल की व्यवस्था चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पहल को राज्य के जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के हर ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

सरार बीट में होगा वल्चर रेस्टारेंट का निर्माण

यूरेशियन वल्चर को रायसेन वन मण्डल के सरार बीट में छोड़ा गया

विजय मत, भोपाल

वन मण्डल रायसेन अंतर्गत शनिवार को एक यूरेशियन वल्चर (गिद्ध की प्रजाति) को हलाली बांध के पास सफलतापूर्वक मुक्त किया गया। इस वल्चर को सतना वन मण्डल से रेस्क्यू कर मुकुंदपुर रेस्क्यू सेंटर और वन विहार में उपचार के लिये लाया गया था। वल्चर के उपचार के बाद स्वस्थ होने पर उसे रिलीज किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजेश खरे ने बताया कि रायसेन वन मण्डल के सरार बीट में गिद्धों के लिये अनुकूल परिस्थिति, वातावरण और उनकी संख्या को ध्यान में रखते हुए इस स्थान पर वल्चर को छोड़ा गया। उन्होंने बताया कि इसी स्थल पर वल्चर रेस्टोरेंट का निर्माण करने की तैयारी शासन स्तर पर चल रही है। आगामी दिनों में भोपाल स्थित वल्चर

ब्रीडिंग सेंटर के 6 वल्चर को भी इसी स्थान पर छोड़ा जायेगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने कहा कि मवेशियों को इलाज के लिये दी जाने वाली दवाइयाँ, जिन्हें शासन ने प्रतिबंधित किया है और जो गिद्धों के लिये जानलेवा है, के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि डायक्लोफेनेक, निमेसुलाइड, कीटोप्रोफेन और एसेक्लोफेनेक दवाइयाँ जो पशुओं के इलाज के लिये दी जाती थीं, इन दवाइयों को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है और इनका उपयोग गैर कानूनी भी है। उन्होंने कहा कि गिद्धों की संख्या में जो भारी गिरावट आयी, वह इन्हीं दवाओं के कारण थी।

खास-खबर

अभियान में नये तालाब बनेंगे, पुराने तालाबों, बावड़ियों तथा कुँओं के जीर्णोद्धार के साथ सघन वृक्षारोपण भी किया जायेगा

जल-गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को जन-जन का विषय बनाना : कलेक्टर सिंह

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश सहित भोपाल जिले में 30 मार्च से 'जल-गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ किया जा रहा है, जो आगामी 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नए तालाबों का निर्माण किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जाएगा। साथ ही, जिलेभर में सघन वृक्षारोपण भी किया जाएगा। इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है।

यह जानकारी कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय में हुई बैठक के दौरान दी

गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने बताया कि यह अभियान ÷जल है तो कल है÷ की भावना पर आधारित है और इसका उद्देश्य जल संरक्षण को जन-जन का विषय बनाना है। यह अभियान समाज के हर वर्ग की भागीदारी से संचालित होगा। पिछले वर्ष जिले में 101 अमृत सरोवर बनाए गए थे, जिन्हें अब राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाएगा। इस वर्ष अभियान के तहत 'अमृत सरोवर 2.0' योजना में 19 नए तालाबों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के अंतर्गत तालाबों का सीमांकन कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाएगा। अतिक्रमण चिन्हित कर उन्हें हटाने की कार्रवाई की जाएगी तथा मुनारे बनाकर सीमाओं को चिन्हित किया जाएगा। साथ ही, तालाबों का गहरीकरण जनभागीदारी से किया जाएगा। मनरेगा और अन्य योजनाओं के माध्यम से तालाबों का जीर्णोद्धार, सुदृढ़ीकरण और जल आवक बढ़ाने की दिशा में कार्य होंगे। इन तालाबों के पास पौधारोपण और रखरखाव के लिए उपयोगकर्ता समूहों का गठन किया जाएगा। जिले की प्रमुख नदियों के स्रोत क्षेत्रों में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए रिमोट सेंसिंग और फील्ड सर्वेक्षण के आधार पर कार्ययोजना बनाकर कार्य किए जाएंगे। इनमें ट्रेंच, गेबियन संरचना, वृक्षारोपण, चेकडेम और तालाब निर्माण शामिल हैं, जो स्थानीय समुदाय की भागीदारी से पूरे किए जाएंगे।

म.प्र. बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत 1 अप्रैल 2025 से होंगे प्रभावशील

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक में हुआ निर्णय

विजय मत, भोपाल

आवासीय आरसीसी निर्माण तथा समस्त क्षेत्रों में आरबीसी/ टिन शेड/ कच्चा कवेलू के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रचलित निर्माण दरें वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी यथावत जारी रहेंगी। यह निर्णय शनिवार को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक में लिया गया। बैठक में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के सभी सदस्य उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शन सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम-2018 के अंतर्गत अचल संपत्ति के बाजार मूल्य के मार्गदर्शन सिद्धांत के प्रस्ताव के अनुमोदन और भूमि, भवन एवं स्थावर संपत्ति में विभिन्न प्रकार के हितों के संबंध में बाजार मूल्य के नियतन के लिए मानदंड/ उपबंध के अनुमोदन के संबंध में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड/ महानिरीक्षक पंजीयन मध्यप्रदेश की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों से बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत के प्रस्ताव वर्ष 2025-26 के अनुमोदित प्रस्तावों पर विचार करने के बाद उन्हें मान्य किया गया। निर्णय अनुसार बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत वर्ष 2025-26 आगामी 1 अप्रैल 2025 से प्रभावशील हो जायेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-25 में बाजार मूल्य से अधिक मूल्य पर पंजीबद्ध दस्तावेज नवीन प्रस्तावित रिंग रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यमार्ग, प्रधानमंत्री सड़क अन्य जिला सड़क, तीव्र नगरीकरण, प्रदेश में विकसित हो रही शहरी अधोसंरचना आदि को दृष्टिगत रखते हुए जिला मूल्यांकन समितियों द्वारा प्रेषित प्रस्तावों पर विचार के बाद दरों को प्रस्तावित मूल्यों के आधार पर युक्तियुक्त किए जाने का निर्णय लिया।

यूज इन शॉर्ट

राज्य स्तरीय सेपक टकरा प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

शहडोल - दसवीं राज्य स्तरीय सेपकटकरा ओपन प्रतियोगिता शुभारंभ आज विचारपुर के बालक क्रीड़ा परिसर शहडोल में किया गया। 28 से 30 मार्च तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सेपकटकरा ओपन प्रतियोगिता में प्रदेश के 25 जिले से 370 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे है। चयनित खिलाड़ियों को आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सम्मिलित किया जायेगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रामजी वास्तव, प्रतीक केशरवानी, सहायक संचालक खेल ईंस अहमद,सबदर हुसैन बोहरा सहित अन्य रेफरी, प्रशिक्षक व खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

सूर्योपासना कार्यक्रम आज

शहडोल / विक्रमोत्सव- 2025 के अन्तर्गत सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत 2082 के शुभारंभ अवसर पर 30 मार्च 2025 को प्रातः 10:00 बजे से संभागीय मुख्यालय शहडोल के मानस भवन में ''सूर्योपासना कार्यक्रम'' आयोजित किया जाएगा है। जिसमें ''सम्राट विक्रमादित्य'' की नाट्य प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर ब्रह्म ध्वज का बंधन होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत दूधी में जन चौपाल का किया गया आयोजन

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत दूधी में रात्रिकालीन सामुदायिक जनचौपाल का आयोजन किया गया। जनचौपाल में जन अभियान परिषद के जिला समन्वय विवेक पांडेय ने पानी के महत्व को बताया तथा जनचौपाल में पानी को लेकर ग्रामीणों से संवाद हुआ। पानी को भविष्य की चुनौती और जलस्रोतों के संरक्षण के बारे में भी बताया गया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कृत करने का आरोपी गिरफ्तार

ब्यौहारी फरियादिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज करायी कि रवि कुशवाहा पिता रामसजीवन कुशवाहा निवासी कछियान मोहल्ला ब्यौहारी जिससे मेरी जान पहचान हो गई थी, जो मेरे साथ शादी का झांसा देकर पहली बार गलत काम (दुष्कर्म) मार्च 2019 मे किया था इसके बाद से लगातार मेरे से गलत काम (दुष्कर्म) किया है, जब मेरे द्वारा शादी के लिये बोला गया तो शादी करने से मना करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। जिस पर थाना ब्यौहारी में दुष्कर्म एवं एससी/एसटी की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी की लगातार पता तलाश कर आरोपी रवि कुशवाहा पिता रामसजीवन कुशवाहा उम्र 34 वर्ष निवासी कछियान मोहल्ला ब्यौहारी को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया जिसे माननीय न्यायालय के आदेश से जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी ब्यौहारी निरीक्षक अरूण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में की गई

02 स्थाई वारंटी गिरफ्तार

शहडोल। अमलाई पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत 04 साल से फरार स्थाई वारंटी क्रमशः रामसिंह पाव पिता स्व0 गोविन्द सिंह पाव उम्र 26 वर्ष एवं धनसिंह पाव पिता स्व0 गोविन्द सिंह पाव उम्र 32 वर्ष दोनों निवासी बटुरा को को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी अमलाई के नेतृत्व में सउनि0 करतार सिंह,गुलाब सिंह एवं तीरथ की सराहनीय भूमिका रही।

प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला मिनी ब्राजील गए, पर मरीजों का हाल भी देख लेते तो ...?

मेडिकल कालेज और फुटबालरों के कब मिटेंगे दुर्दिन ?

विजय मत, शहडोल।

यह बड़े सौभाग्य की बात है की राजेंद्र शुक्ला जी शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री के साथ ही प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और उप मुख्यमंत्री भी हैं।इसलिए यहां के नागरिकों को उम्मीद रहती है कि जिले की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर से बेहतर हो जाएं।इसके अलावा आवागमन के लिए सड़क अच्छी हो। मिनी ब्राजील के रूप में विश्व में लोकप्रिय विचारपुर के राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए अच्छी से अच्छी सुविधाएं प्राप्त हो। छह माह में प्रभारी मंत्री के रूप में राजेंद्र शुक्ला जी तीन बार शहडोल आ कर चले गए पर मेडिकल कॉलेज के हालात जस के तस हैं।मरीजों को सोनो ग्राफी के लिए 6 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल जाना पड़ता है।

मशीन की उपलब्धता के बावजूद मरीज को सोनोग्राफी के लिए भटकना पड़ता है।

मैं शहडोल बोल रहा हूँ
अजय जायसवाल

हार्ट न्यूरो किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में 500 करोड़ से अधिक की लागत से बनाए गए शहडोल मेडिकल कॉलेज के हालात यह है कि गंभीर मरीजों को रेफर कर दिया जाता है। हॉर्ट न्यूरो किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का तो इलाज ही नहीं होता। डेढ़ दर्जन सोनोग्राफी मशीन की उपलब्धता के बावजूद मरीज को सोनोग्राफी के लिए भटकना पड़ता है।

गर्भवती महिलाओं को भेज दिया जाता है जिला अस्पताल

मेडिकल कॉलेज से गर्भवती माता को डिलीवरी के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया जाता है। इसी तरह अनेक मरीजों को सिर्फ रेफर करने का काम किया जाता है। स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से यहां के नागरिकों की अपेक्षा है कि शहडोल मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा की सुविधा इतनी बेहतर कर दी जाए कि मरीजों को भटकना न पड़े।

ब्लड बैंक तक नहीं

इतने बड़े मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक तक नहीं है जिसके कारण मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों के परिजनों को 6 किलोमीटर दूर जिला चिकित्सालय खून लेने के लिए जाना पड़ता है और इतनी दूर से खून लाने पर खून खराब होने का भय बना रहता है। सवाल उठता है कि मेडिकल कॉलेज में आखिर क्यों ब्लड बैंक की स्थापना नहीं हो पा रही है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की आवश्यकता

यदि शहडोल को विकसित शहडोल की राह पर आगे ले जाना है तो तो बिरसा मुंडा शासकीय मेडिकल कॉलेज शहडोल को सर्व सुविधा युक्त सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बना दिया जाना चाहिए ताकि यहां के गरीब लोगों को जबलपुर रीवा नागपुर या अन्य महानगरों में अपने इलाज के लिए भटकना न पड़े।

उपमुख्यमंत्री ने कहा था रीवा से ज्यादा शहडोल को किया जाएगा विकसित

पिछली बार उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने शहडोल के एक कार्यक्रम में नागरिकों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए आश्वासन दिया था कि रीवा से ज्यादा शहडोल का विकास किया जाएगा और स्वास्थ्य शिक्षा सड़क सिंचाई एवं हर दृष्टि से शहडोल को विकसित किया जाएगा परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि मुख्यमंत्री श्री शुक्ला जी अपनी उन बातों को भूल से गए हैं यही कारण है कि शहडोल जिले की बुनियादी आवश्यकताओं के प्रति वे गंभीर नहीं दिख रहे हैं।

मोटर सायकल से अंग्रेजी शराब की तस्करी के दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

1 लाख की शराब जब्त

विजय मत, ब्यौहारी।

ब्यौहारी पुलिस ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने 54 लीटर से अधिक अंग्रेजी शराब की बरामदगी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शहडोल के निर्देशन में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।

बीती रात को ब्यौहारी पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली कि राजकुमार पटेल और उसका साथी रामशिरोमणि पटेल भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लेकर देवलोंद से ब्यौहारी की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी ने एक पुलिस टीम का गठन किया और रीवा रोड न्यायालय के सामने नाकाबंदी की गई। उसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति ट्राली बैग, पिट्ठू बैग और बोरियों के साथ आते दिखाई दिए। जैसे ही

पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, एक व्यक्ति गाड़ी से कूदकर भाग निकला। पकड़े गए व्यक्तियों में से एक ने अपना नाम रामशिरोमणि पटेल जबकि दूसरे ने रामदेव पटेल बताया। भागने वाले व्यक्ति का नाम राजकुमार पटेल है।

पुलिस ने बैग और बोरियों की तलाशी ली, जिसमें इम्पीरियल ब्ल्यू के 12 बोतल, 8 ब्लू के 12 बोतल, रायल चैलेंज के 40 पाव और गोवा व्हिस्की के 160 पाव शराब बरामद हुए। कुल मिलाकर, पुलिस ने 54 लीटर अंग्रेजी शराब की बरामदगी की। बाईक सहित कुल मशरूका एक लाख का जप्त किया गया है।

थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्यवाही की गई है, जब हमें सूचना मिली तो हमने एक विशेष टीम का गठन किया था इस टीम में उनि कपिल कांत तिवारी, प्र.आर. नरेन्द्र उपाध्याय, आर. संजय द्विवेदी, आर. अमृत यादव, आर. पुष्पेन्द्र सिंह, आर. गंगा सागर गुप्ता, आर. अजीत यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजेंद्र शुक्ल का भाजपा ने जयसिंहनगर मे किया स्वागत

शहडोल। शहडोल प्रवास के दौरान रीवा जाते समय विंध्य के विकास पुरुष प्रदेश के उपमुख्यमंत्री शहडोल जिले के पालक मंत्री राजेंद्र शुक्ल का जयसिंहनगर में अरुण गौतम के घर में भाजपा के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के द्वारा बाजे गाजे के साथ पटाखे फोड़ कर गुलदस्ता भेंट किए तथा , माल्यार्पण एवं कमल पट्टिका पहनाकर भाजपा के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय एवं क्षेत्रीय समस्याओं के संबंध में निराकरण हेतु माननीय उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया जिसमें समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन मंत्री के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र कुमार शुक्ल एड., अरुण गौतम पूर्व जिला उपाध्यक्ष, सातिका प्रसाद तिवारी जिला उपाध्यक्ष, रामनारायण पांडे पूर्व मंडल अध्यक्ष, राजेश द्विवेदी पूर्व मंडल पूर्व मंडल महामंत्री दीपक प्यासी मनोज द्विवेदी बेनी माधव गुप्ता, नंद चतुर्वेदी सुशील शुक्ला विजय शुक्ला एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में निकली गई स्कूटी रैली

विजय मत, शहडोल।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जी के नेतृत्व में स्कूटी रैली का हुआ आयोजन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने जानकारी देते हुए शनिवार को बताया है कि एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर सर्व समाज की महिलाओं बहनों द्वारा शहडोल नगर के महात्मा गांधी स्टेडियम से स्कूटी रैली का आयोजन किया गया स्कूटी रैली में महिलाओं, बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस दौरान सभी महिलाओं बहनों ने एक राष्ट्र एक चुनाव का नारा लगाते हुए महात्मा गांधी स्टेडियम से रैली प्रारंभ हुई यह रैली शहडोल नगर के पुराना नगर पालिका, न्यू गांधी चौक, होते हुए बुढार चौक, बगिया बायपास ,लल्लू सिंह चौक, गणेश मंदिर ,गुरु नानक चौक होते हुए जिला महिला समिति में रैली का समापन एक राष्ट्र एक चुनाव के उद्घोष के साथ स्कूटी रैली का समापन किया गया समापन कार्यक्रम के अवसर पर जिला महिला समिति हॉल में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जी द्वारा सभी महिलाओं बहनों को एक राष्ट्र एक चुनाव के संबंध में संपूर्ण जानकारी दी गई साथ ही एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम प्रस्ताव में हस्ताक्षर कर सभी ने अपनी सहमति दी इस दौरान स्कूटी रैली कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, जयसिंहनगर क्षेत्र विधायक श्रीमती मनीषा सिंह,राखी शर्मा,निभा गुप्ता ,नीलम चतुर्वेदी, सरिता मिश्रा,बीटा मोर, सुषमा उदानिया,जया कनकने,अंजना उदानियां विनीता सिंह नीति सिंघल ,अर्चना मित्तल ,इंद्रा श्रीवास्तव ,गीता ताम्रकार ,प्रज्ञा श्रीवास्तव ,संगीता दुबे, अरुणिमा सिंह,सोनल भागदेव ,आरती गुप्ता ,अर्चना अग्रवाल भारतीय अमर गुप्ता,प्रियंका त्रिपाठी, अदिति तिवारी, ज्योतिका सिंह, श्वेताजजलि पाठक,ममता जैन सहित अन्य महिलाओं बहनों ने स्कूटी रैली में शामिल होकर एक राष्ट्र एक चुनाव का नारा लगाते हुए स्कूटी रैली कार्यक्रम में हुई शामिल।

करोड़ो का कारोबार करने वाले व्यापारी कर रहे टैक्स की चोरी

शहडोल शहर सहित जिले भर में हर माह लाखों-करोड़ों का कारोबार होता है, लेकिन व्यापारी आयकर, वाणिज्य कर की चोरी धड़ल्ले से कर रहे हैं। कई ऐसे बड़े प्रतिष्ठान हैं जिनका सालाना लाखों रुपयों का टर्न ओवर होता है, किन्तु व्यवसायी ग्राहकों को पक्के बिल नहीं देते। सरकार द्वारा उठाए गए नोटबंदी के कदम का असर जिले में कहीं होता दिखाई नहीं दे रहा है।

कई ऐसे व्यवसायी हैं जो अपना कारोबार छिपाकर रखते हैं। ऐसे व्यवसायियों का ज्यादातर स्टॉक व माल गोदामों में छिपा कर रखा होता है। हार्डवेयर, लोहा, सरिया सीमेंट, रेडीमेड कपड़ा, साड़ी हाउस, मशीनरी, स्टोर, शराब माफिया कारोबारी, अनाज कारोबार, थोक माल बेचने वाले कारोबारी, वाहन शोरूम, सोना चांदी आदि का लंबा कारोबार करने वाले व्यापारी कर चोरी करने में लगे हुए हैं।आयकर के रूप में सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन से हर साल औपचारिक रूप से कटौती तो हो जाती है, लेकिन ऊपरी कमाई से जमा की गई अकूत संपत्ति पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती है। आखिर क्या वजह है कि आयकर अधिकारी इस मामले में खामोश बने रहते हैं।

शहडोल जिले में बीते कुछ सालों और महीनों से शहडोल जिले में टैक्स चोरी और टैक्स चोरों के घर मे आयकर से लेकर टैक्स के अलग-अलग विभागों की दबिश हुई है हाल ही में संदीप जैन, केशर सिंह, बबलू भगत,और तत्काल में नेताजी शामिल हैं। नेता जी किराना स्टोर में बीते दिनों से विभाग ने डेरा डाल रखा है।

स्टॉल के साथ गमझा और मॉस्क की भी हो रही खरीददारी

विजय मत, शहडोल।

मार्च महीने में बेमौसम बारिश, बूंदाबांदी के बाद अब मौसम अब एकदम साफ हो चुका है। गर्मी से आंख-मिचौली करते हुए अब लोग देखे जा रहे हैं। धीरे-धीरे मार्च महीने के अंतिम सप्ताह में गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। अचानक से बढ़ी चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानी भी बढ़ा दी है। तेज धूप के चलते सड़कों पर चलने वाले राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में लोग गर्मी से बचने के लिए हर तरह के उपाय आजमां रहे है। सन लाइट से फेश न खराब हो इससे बचने के जुगत में युवक युवती देखे जा रहे हैं। मार्केट में चश्मे और रंग-बिरंगी टोपियों से पूरा बाजार पट गया है। यहां गर्मी से बचाव और निजात दिलाने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए टोपी-गमछा भी मौजूद है।

शहडोल नगर के गांधी चौक, कलेक्टर बंगला के बगल में, बुढार रोड, बायपास तिराहा सहित अन्य बड़े चौराहे पर लगी चश्में और टोपी की दुकानों में ग्राहक खूब खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। राहगीर चिलचिलाती धूप से बचने के लिए चश्में, टोपी और अंगौछे का सहारा ले रहे हैं। वहीं, चश्मा और टोपी बेचने वालों की दुकानों में खरीददारों की लाइन लगी हुई है।

गांधी स्टेडियम में एक्सरसाइज की कई मशीन हो गई खराब

विजय मत, शहडोल।

महात्मा गांधी स्टेडियम में एक्सरसाइज करने के लिए लगाई गई जिम की कई मशीन इन दोनों खराब हो गई है जिसके का सुबह शाम स्टेडियम पहुंचकर अपनी सेहत सुधारने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी से नागरिकों है आग्रह किया है कि जिम्मेदार कर्मचारियों को भेज कर निरीक्षण कराया जाए और टूटे-फूटे जिम मशीनों की मरम्मत कराई जाए। स्टेडियम में संगीत की धुन से सुबह शाम खेलने वाले एवं टहलने वाले लोगों का मनोरंजन कराया जाता था परंतु इन दोनों संगीत की धुन सुनाई नहीं दे रही है एवं कुछ ट्री गार्ड जिसमें साउंड बॉक्स लगे थे वह भी उखड़े पड़े हैं इसलिए इस तरफ भी नगर पालिका प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा स्टेडियम में स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत साफ सफाई भी कराए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है। स्मरणीय है कि सुबह शाम बड़ी संख्या में महिला पुरुष युवा युवती बच्चे वृद्ध सभी आयु वर्ग के लोग गांधी स्टेडियम पहुंचते हैं और अपनी सेहत सुधारने का काम करते हैं। क्रिकेट फुटबॉल बास्केटबॉल बैडमिंटन एवं अन्य खेलों के भी खिलाड़ी नियमित अभ्यास इसी स्टेडियम में करते रहते हैं।

बैठक महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को दिलाए बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा –उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल

बस स्टैंड से मेडिकल कॉलेज तक के मार्ग का तेजी से कराएं चौड़ीकारण- उप मुख्यमंत्री

शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मरीजों को दिलाएं

विजय मत, शहडोल।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल की उपस्थिति में शुक्रवार को बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने डीन मेडिकल कॉलेज डॉ गिरीश बी रामटेके को निर्देश दिए हैं कि बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल में अध्यनरत विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा दिलाना सुनिश्चित करें, जिससे

विद्यार्थी बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा प्राप्त कर अच्छे चिकित्सक बन सके।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्

शुक्ल ने शहडोल संभाग के शहडोल,अनूपपुर एवं उमरिया जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से निरोगी काया अभियान की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत डोर टू डोर जाकर लोगों का ब्लड प्रेशर, शुगर, डायबिटीज एवं अन्य बीमारियों की जांच की जानी थी। उप मुख्यमंत्री ने एमएमआर एवं आईएमआर की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए की गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत पंजीयन कराया जाए तथा समय-समय पर महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि सीएमएचओ एवं बीएमओ इस कार्य को प्राथमिकता से लें तथा गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच करने हेतु मैदानी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित करें तथा वरिष्ठ अधिकारी मॉनिटरिंग भी करें। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभागीय मुख्यालय शहडोल के बस स्टैंड से बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय तक के मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य तेजी पूर्ण कराए जिससे आने जाने वाले वाहन सुगमता के साथ और मरीज समय पर मेडिकल कॉलेज तक पहुंचकर अपना इलाज करा सकें। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने मरीजों को मेडिकल कॉलेज में दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने महाविद्यालय में मरीजों को मिलने वाली आयुष्मान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम एवं प्रसूति सहायता योजना की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक योजना का लाभ मरीजों को दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, जयसिंह मरावी, शरद कोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री राम जी श्रीवास्तव, समाजसेवी श्रीमती अमिता चपरा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पांडे सहित बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सक उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com

"विक्रम सम्वत् 2082" भारतीय नववर्ष, सृष्टि आरंभ दिवस एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मंगुभाई पटेल, राज्यपाल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

विक्रमोत्सव

26 फरवरी से 30 जून 2025

मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. अर्जुनराम मेघवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
विधि एवं न्याय, भारत सरकार

प्रदेश स्तर पर ब्रह्मध्वज स्थापना एवं सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य प्रस्तुति

वीर भारत संग्रहालय का भूमिपूजन
सायं 5:00 बजे, कोठी महल

रुद्र सागर, लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन
सायं 6:30 बजे, श्री महाकाल-महालोक परिसर

सम्राट विक्रमादित्य हेरिटेज होटल का लोकार्पण
सायं 6:00 बजे, महाराजवाड़ा परिसर

30 मार्च, 2025, उज्जैन

जन सहभागिता से जलस्रोतों को सहेजने के लिए

जल गंगा संवर्धन अभियान

शुभारंभ

30 मार्च से 30 जून, 2025
सायं 7:00 बजे, क्षिप्रा तट

'जल दूत' के रूप में सहभागिता के लिए
mybharat.gov.in पर पंजीयन करायें

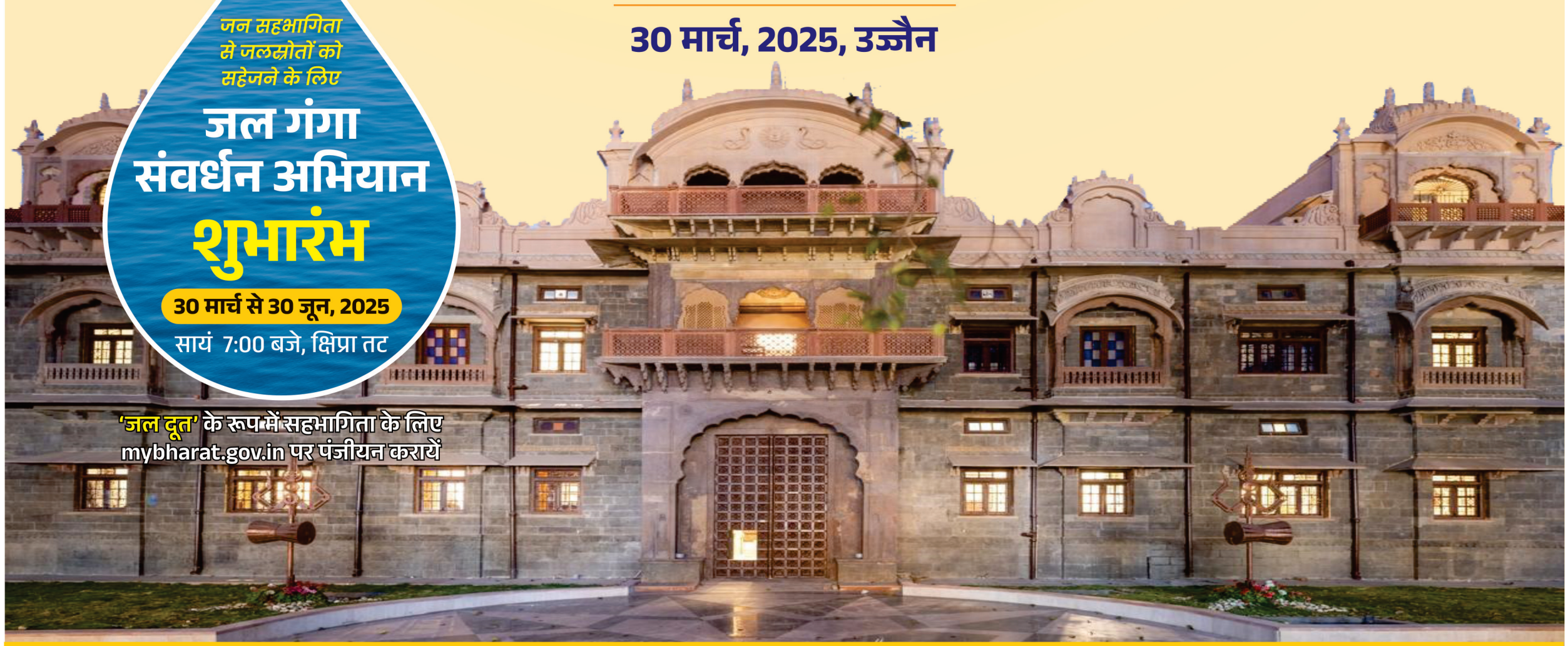

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11218/24 आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025